RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 135 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 27 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

मुख्यमंत्री ने पंडित श्यामाचरण शुक्ल की जयंती पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्यामाचरण शुक्ल की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, उत्तरप्रदेश के पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू और गुरदीप सिंह सप्पल भी उपस्थित थे । मुख्यमंत्री बघेल ने पं. शुक्ल के साथ बिताए समय को याद करते हुए कहा कि श्यामाचरण जी सरल सहज व्यक्तित्व के धनी होने के साथ एक कर्मठ राजनेता थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ और अविभाजित मध्यप्रदेश के लोगों की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए जिनके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

पति-पत्नी ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

रायपुर। राजधानी रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र के सिवनी गांव से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। पति-पत्नी दोनों ने घर में फंसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। घटना का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। मौके पर कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। घटना के वक्त घर में कोई नहीं था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामले में मुजगहन थाना प्रभारी विजय ठाकुर ने बताया कि घटना के वक्त पति-पत्नी घर में थे। दोनों की 5-6 साल पहले शादी हुई थी। दोनों ने बीती देर रात खुदकुशी कर ली। मौके से किसी भी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है।

अंबिकापुर में महादेव बुक का ब्रांच चला रहे थे भिलाई के सटोरिए

11 चढ़े पुलिस के हत्थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने महादेव बुक एप से सट्टा का कारोबार चालाने वाले 11 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। भिलाई के शातिरों ने इस बार अंबिकापुर में अपना अड्डा बना रखा था। पुलिस को मिले इनपुट के बाद टीम ने रेड की और अंबिकापुर के एक मकान से 11 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 7 लैपटॉप, 16 मोबाइल फ़ोन, पासबुक, एटीएम व लेनदेन का लेखाजोखा बरामद किया है।

बता दें दुर्ग पुलिस द्वारा महादेव एप से जुड़े सटोरियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। दुर्ग पुलिस अब तक महादेव एप की 21 शाखाओं का भंडाफोड़ कर चुकी है। आईपीसी और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। मीडिया के माध्यम से कई चेतावनी व अनुरोध करने के बाद भी भिलाई के युवा अभी भी महादेव बुक एप से जुड़ रहे हैं। इसे देखते हुए जुआ अधिनियम के साथ आईपीसी और आईटी अधिनियम की गैर-जमानती धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

अंबिकापुर में रेड के दौरान पकड़े गए महादेव बुक के सटोरियों में सुपेला निवासी हर्षदीप (19), नवीन चौधरी (19), संतराबाड़ी दुर्ग निवासी फारुख रंगरेज (25), कांदबरी नगर दुर्ग निवासी पीयूष खेत्रपाल (27), फरीद नगर निवासी सद्दाम हुसैन (32), घासीदास नगर जामुल निवासी दीपक कुमार (23), हाउसिंग बोर्ड ईडब्ल्यूएस निवासी अनय शर्मा (20), घासीदास नगर निवासी सुधीर चौधरी (23), जामुल निवासी रोहित सिंह (23), बालाजी नगर खुर्सीपार निवासी के गौतम (22) व बालाजी नगर खुर्सीपार निवासी शिवा (22) शामिल हैं।

कांग्रेस की एक और यात्रा, पासीघाट से पोरबंदर तक पदयात्रा पर विचार कर रही पार्टी-जयराम रमेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस पासीघाट से पोरबंदर यात्रा पर विचार कर रही है। रमेश ने कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक लगभग 4,000 किलोमीटर की यात्रा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में एक और यात्रा के लिए बहुत उत्साह और ऊर्जा है। महासचिव जयराम रमेश ने पीटीआई को बताया कि पूर्व से पश्चिम यात्रा, संभवत: अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट से गुजरात के पोरबंदर तक निकालने पर विचार किया जा रहा है। लेकिन, इसका स्वरूप भारत जोड़ो यात्रा से थोड़ा अलग हो सकता है।

जयराम रमेश ने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से भी लगता है कि इस यात्रा की आवश्यकता है। लेकिन पूर्व-पश्चिम यात्रा का प्रारूप दक्षिण-से-उत्तर भारत जोड़ो यात्रा के प्रारूप से भिन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि इस यात्रा में इतना विस्तृत बुनियादी ढांचा न हो जो भारत जोड़ो यात्रा के लिए जुटाया गया हो। यह भी हो सकता है कि इसमें कम यात्री हों।

जयराम रमेश ने कहा कि यह काफी हद तक एक पदयात्रा होगी लेकिन इस मार्ग पर जंगल और नदियां हैं। रमेश ने कहा, ज्यादातर यह एक पदयात्रा होगी। उन्होंने कहा कि अप्रैल में कर्नाटक में चुनाव, जून में बारिश और फिर नवंबर में राज्य में चुनाव के साथ, यात्रा जून से या नवंबर से पहले शुरू की जा सकती है। रमेश ने कहा कि यात्रा भारत जोड़ो यात्रा की तुलना में कम अवधि की होगी। जो अगले कुछ हफ्तों में तय किया जाएगा।

पीएम मोदी ने किया कर्नाटक में शिवमोगा एयरपोर्ट का उद्घाटन, कहा-

कांग्रेस राज में एअर इंडिया की पहचान घोटाले के लिए होती थी

शिवमोगा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कर्नाटक में शिवमोगा एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। करीब 450 करोड़ रुपए की लागत से बने इस एयरपोर्ट का ऊपरी हिस्सा कमल के फूल की तरह डिजाइन किया गया है। मोदी ने इसके अलावा शिवमोगा में 3,600 करोड़ और बेलगावी में 2,700 करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मोदी के साथ कर्नाटक के पूर्व ष्टरूबीएस येदियुरप्पा को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रकांग्रेस के राज में 'एअर इंडिया' की पहचान घोटालों के लिए होती थी, घाटे वाले बिजनेस मॉडल के रूप में होती थी लेकिन आज 'एअर इंडिया' भारत के नए सामर्थ्य के रूप में विश्व में नई ऊंचाई, नई उड़ान भर रहा है। आज भारत के एविएशन सेक्टर का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। छोटे शहर भी हवाई कनेक्टिविटी से जुड़ें, ऐसी सोच कांग्रेस की थी ही नहीं। हम यह कर रहे हैं। आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा सरकार के काम करने की रफ्तार क्या है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मुझे एक बार फिर कर्नाटक के विकास से जुड़े हजारों-करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स के लोकार्पण और शिलान्यास का अवसर मिला है। आज शिवमोगा को अपना एयरपोर्ट मिला है, यह बहुत ही भव्य और सुंदर है। यह सिर्फएयरपोर्ट नहीं है बल्कि इस क्षेत्र के जवानों के सपनों की नई उड़ान का अभियान है।

तैयार हो रहा फलों का राजा आम

आम से लदने लगे पेड़

गर्मी की मौसम शुरू होते ही आम के पेड़ों फल और बौर से पूरी तरह ढक गए हैं। जिससे अच्छी पैदावर की आशा जगी है और किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे है। किसानों के मुताबिक मौसम अनुकूल रहा तो मार्च महीने के अंत तक बाजार में कच्चे आम मिलने लग जाएंगे। जिले के धमधा क्षेत्र में आम और बौर से लदे पेड़।

फोटो जर्नलिस्ट - गौकरण निषाद

अमेरिका ने दी चीन को चेतावनी, युद्ध में रूस को सैन्य सहायता देने पर चुकानी होगी 'असली कीमत'

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने रविवार को कहा कि अगर चीन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को सैन्य सहायता प्रदान करता है तो उसे वास्तविक कीमत चुकानी पड़ेगी। सुलिवान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह युद्ध बीजिंग के लिए वास्तविक जटिलताएं प्रस्तुत करता है। बीजिंग को अपने निर्णय लेने होंगे कि वह कैसे आगे बढ़ता है, क्या सैन्य सहायता प्रदान करता है। अगर चीन को रूस को सैन्य सहायता प्रदान करता है तो उसे कीमत चुकानी होगी। अमेरिका सिर्फ सीधी धमकियां नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दांव और परिणाम दोनों ही बता रहा है।

अमेरिका के ऊर्जा विभाग का खुलासा

वुहान की लैब में ही बना था कोरोना वायरस

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया भर में कोरोना का कहर किसी से छिपा नहीं है। भले ही कई देशों ने वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली हो, लेकिन आज भी कोरोना का एक भी मामला स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा देता है। दुनियाभर की जांच एजेंसियां कोरोना की उत्पत्ति को लेकर चीन को जिम्मेदार मानती हैं। दावा किया जाता है कि चीन की वुहान लैब में यह वायरस बनाया गया था। हालांकि, चीन इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। उसका कहना है कि यह वायरस उसकी लैब में नहीं बना, बल्कि बाहर से आया। हालांकि, कई जांच एजेंसियों ने ऐसे कई सबूत पेश किए, जिससे पूरा शक चीन पर ही जाता है।

अब हुआ नया खुलासा

कोरोना को लेकर अमेरिका के ऊर्जा विभाग ने नया खुलासा किया गया है। ऊर्जा विभाग ने कहा है कि सबसे अधिक संभावना इस बात की है कि कोरोना वायरस चीन की एक प्रयोगशाला से उत्पन्न हुआ है। वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा विभाग का निष्कर्ष नई खुफिया जानकारी का परिणाम है और महत्वपूर्ण है क्योंकि एजेंसी के पास काफी वैज्ञानिक विशेषज्ञता है। ऊर्जा विभाग की रिपोर्ट को वर्गीकृत खुफिया रिपोर्ट के माध्यम से अधिसूचित किया गया है, जिसे हाल ही में व्हाइट हाउस और कांग्रेस के प्रमुख सदस्यों को सौंपा गया।

स्टेशन पर बोझ उठाने वाला दीपक बना 'कुली नंबर वन' पॉवर लिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपिनशिप में जीता गोल्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन में कुली काम करने वाले दीपक पटेल ने दुर्ग के खुर्सीपार श्रीराम चौक में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर लिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपिनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर कोरबा का नाम रोशन किया है। चैंपिनशिप में दीपक पटेल ने सबसे अधिक वजन उठाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। जिसके बाद उन्हें कोरबा का कुली नंबर वन लोग कहने लगे हैं।

दीपक पटेल ने अंडर 55 किलोग्राम वेट कैटेगरी में स्कवाट में 165 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 85 किलोग्राम, डेड लिफ्ट में 110 किलोग्राम का वजन उठाया था। उन्होंने कुल 360 किलोग्राम वजन उठाकर सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़कर सभी कैटेगरी में गोल्ड हासिल किया है।

इससे पहले भी दीपक प्रो नेशनल कोलकाता और असम में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुके हैं। वहीं, दीपक पटेल ने बताया इस प्रतियोगिता में उनके साथ शामिल होने से सुरेश अनंत आए थे।

कामयाबी में कोच व सचिव का महत्वपूर्ण योगदान

सुरेश अनंत ने भी एक गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। दीपक पटेल ने कहा इस कामयाबी को हासिल करने में पॉवर लिफ्टिंग के सचिव वेंकट राव और कोच रिकार्डो गुनियन का महत्वपूर्ण योगदान है। दीपक पटेल की शानदार प्रदर्शन के लिए वार्ड पार्षद सुफल दास सहित मोहल्ले वासियों ने भी विजेता खिलाड़ी दीपक पटेल को बधाई एवं शुभकामनाये दी हैं।

किए धरे पर पानी फेरेगी यह ऐतिहासिक भूल

श्रीकंचनपथ

कांग्रेस महाधिवेशन से चाहे जो अच्छा संदेश गया हो पर एक गलती इस पूरे किए धरे पर पानी फेर सकती है। यह छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सालों की तपस्या और चार साल की मेहनत पर भी पानी फेर सकती है। यह राहुल गांधी की चार हजार किलोमीटर लंबी पदयात्रा को फीका कर सकती है और अंत-पंत लोगों के मन में वही वितृष्णा के भाव जगा सकती है जिसकी वजह से कांग्रेस का लगभग पूरे देश से सफाया हो गया। छत्तीसगढ़ की राजधानी में आयोजित कांग्रेस के महाधिवेशन में 25 साल तक कांग्रेस की बागडोर संभालने वाली पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पहुंची थीं। नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी पहुंचे थे। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी आए थे। पर जिस तरह का स्वागत प्रियंका गांधी का किया गया वह न केवल दृष्टिकटु था बल्कि 'आ बैल-मुझे मार' वाली उक्ति को चरितार्थ करता है। कांग्रेस को बताना होगा कि कौन है प्रियंका गांधी जिसके स्वागत में 6000 किलो गुलाब के फूलों से सड़क को पाट दिया गया? क्या जनता यह समझे कि कांग्रेस प्रियंका गांधी को ही अपने तारणहार के रूप में देख रही है? प्रियंका में कांग्रेस की तिलस्मी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का अक्स दिखाई देता है। क्या मल्लिकार्जुन केवल मुखौटा हैं जिन्हें जब चाहे बदला जा सकता है? प्रियंका के चरणों में बिछ जाने का यह अंदाज कांग्रेस को बहुत भारी पड़ सकता है। जो लोग भाजपा की फैंसी सरकार के विरोध में आज तक कांग्रेस के साथ हैं, वे कदाचित कांग्रेस में सूत की माला वाली परम्परा को देखना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि एक बार फिर कांग्रेस में सेवादल की प्रधानता हो। कांग्रेस के नेताओं में गांधी जैसी सादगी हो, नेताजी वाली प्रखरता हो, पटेल वाला लौह चरित्र हो। ऐसे लोग कांग्रेस का गरीबनवाज चेहरा देखना चाहते हैं। वह कांग्रेस जो गरीबों को सब्सिडी में गैस उपलब्ध कराती है, पेट्रोल डीजल के दामों को काबू में रखती है ताकि जिन्सों की कीमतों में हाहाकारी उछाल न आए। उनकी आंखें उस कांग्रेस को तलाशती हैं जो धर्मनिरपेक्ष है और सबको साथ लेकर चलने में यकीन करती है। वो चिढ़ते हैं कांग्रेस पर हावी परिवारवाद से। विपक्ष की पूरी न सही आधी से ज्यादा राजनीति लोगों के इसी गुस्से पर टिकी हुई है। प्रियंका के स्वागत में सड़क पर दो किलोमीटर तक गुलाब बिछाकर कथित कांग्रेसियों ने इसी गुस्से को हवा दे दी है। पार्टी ने थाली में सजाकर, चांदी का वर्क लगाकर ऐन यही मुद्दा भाजपा को दे दिया है। वैसे गुलाब के फूलों से कांग्रेस का नाता पुराना है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को भी गुलाबों से प्रेम था। उन्होंने ग्राफ्टिंग और बडिंग की मदद से गुलाब की सैकड़ों किस्में तैयार की थीं। पर वो भी अपने कोट में गुलाब का सिर्फएक फूल लगाया करते थे। इस तरह की फूहड़ता कांग्रेस की स्वीकार्यता को आहत कर सकती है।

संपादकीय

युद्ध से आहत विज्ञान

यह युद्ध या संघर्ष के लिए लालायित लोगों के लिए सीखने का समय है। पहले कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध, लगभग तीन साल से विज्ञान कुछ ज्यादा ही मुसीबतों से गुजर रहा है। दुनिया में सरकारों ने जिस गति से व्यापार को बहाल किया है, उस गति से विज्ञान के लिए काम नहीं हो पाया है। लगभग हर विज्ञान पत्रिका में शोध अभियानों और प्रयोगशालाओं पर हुए प्रहार संबंधी रिपोर्टें प्रकाशित हो रही हैं। ध्यान रहे, 24 फरवरी, 2022 को रूस ने डोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्रों के स्वामित्व का दावा करते हुए यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों पर आक्रमण किया। अब इसमें कोई शक नहीं है कि यह आधुनिक यूरोपीय इतिहास के सबसे बड़े सैन्य संघर्षों में से एक हो गया है। इस युद्ध ने शिक्षा और विज्ञान को सर्वाधिक प्रभावित किया है। यूक्रेन में अनुसंधान से जुड़ी लगभग 27 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं। इस देश के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, जैसे खारकीव इंस्टीट?ूट ऑफ फिजिक्स ऐंड टेक्नोलॉजी या दुनिया का सबसे बड़ा डेकामीटर-वेवलेंथ रेडियो टेलीस्कोप बर्बाद हो चुका है। इतना ही नहीं, यूक्रेन के मानव संसाधन को भी युद्ध में लगाया जा रहा है। वैज्ञानिकों को भी युद्ध संबंधी काम दे दिए गए हैं। रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और दूरसंचार में डिग्री रखने वाले यूक्रेनी युवाओं व अन्य लोगों के लिए सैन्य सेवा लगभग अनिवार्य कर दी गई है।

> “ यूक्रेन के वैज्ञानिकों के सहयोग के लिए दुनिया के तमाम संस्थान आगे आए हैं, जिससे यूक्रेन आने वाले समय में ज्यादा मजबूत होकर सामने आएगा। यूक्रेन को युद्ध के लिए ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक विकास के लिए भी आर्थिक मदद मिल रही है। बेहतरी इसी में है कि रूस युद्ध खत्म करने की राह जल्दी निकाले।

खुद को बहुत मजबूत समझने वाले हमलावर रूस का भी बुरा हाल है। युद्ध से पहले रूसी वैज्ञानिकों को दुनिया में हाथों-हाथ लिया जाता था, पर युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस का बहिष्कार कर दिया है। रूसी अनुसंधान को बाहर से जो मदद मिल रही थी, वह भी लगभग बंद हो गई है। रूस में भी वैज्ञानिक अनुसंधान में लगे ज्यादातर लोगों को सामरिक सेवाओं के लिए मजबूर होना पड़ा है। यूरोपीय संगठन के तहत सेवा में लगे हजारों रूसी वैज्ञानिक इस साल अपना अनुबंध गंवाने वाले हैं। रूस अगर युद्ध में लगा रहा, तो वह विज्ञान के मोर्चे पर दशकों पिछड़ जाएगा। हालांकि, वह चीन और कुछ अन्य देशों से मदद ले रहा है, पर इतना पर्याप्त नहीं होगा।

एक बड़ा खतरा यूरोप के वैज्ञानिक संस्थानों को भी है। यह बात सर्वज्ञात है कि लगभग आधा यूरोप ऊर्जा के लिए रूस पर निर्भर है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली एक्स-रे लेजर का घर बिजली की बढ़ती लागत से जूझ रहा है। यूरोपीय देश ऊर्जा का विकल्प तलाश रहे हैं, लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा। पुतिन की हठधर्मिता अगर जारी रहती है, तो यूरोप रूस पर अपनी निर्भरता घटाते जाने को मजबूर होगा और इससे यूरोप ही नहीं, पूरी दुनिया में रूस का महत्व घट जाएगा। रूसी वैज्ञानिकों को दुनिया में कहीं भी सम्मेलनों में शामिल होने से रोका जाने लगा है, इसका एक बड़ा दुष्प्रभाव यह होगा कि योग्य व समर्पित वैज्ञानिक देश छोड़ने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अकादमिक पतन के बाद रूस खुद को ब्रेन ड्रेन की नई लहर से बचा नहीं पाएगा। एक थोड़ा सकारात्मक पक्ष भी है, यह यूक्रेन के लिए फायदे की बात है कि उसके लगभग 6,000 वैज्ञानिक दुनिया के दूसरे देशों में शोध सुविधाओं का सर्वोत्तम लाभ उठा रहे हैं। यूक्रेन के वैज्ञानिकों के सहयोग के लिए दुनिया के तमाम संस्थान आगे आए हैं, जिससे यूक्रेन आने वाले समय में ज्यादा मजबूत होकर सामने आएगा। यूक्रेन को युद्ध के लिए ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक विकास के लिए भी आर्थिक मदद मिल रही है। बेहतरी इसी में है कि रूस युद्ध खत्म करने की राह जल्दी निकाले।

साम्प्रदायिकता को मिटाएं

पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने आज सवेरे यहां छावनी में फौजी परेड के समय सैनिकों के समक्ष भाषण करते हुए कहा कि इस देश के रहने वाले सभी व्यक्ति, चाहे वे हिन्दू, सिख, मुस्लिम, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी या यहूदी हों, भारतीय हैं। उन्हें किसी खास सम्प्रदाय के लिए नहीं, बल्कि देश के हित के लिए काम करना चाहिये और केवल ऐसा ही करने में उनकी भलाई और उन्नति हो सकती है।

नेहरूजी शेख अब्दुल्ला, जनरल रसल, श्रीमती इन्दिरा गांधी और जनरल संत सिंह के साथ आज सवेरे दिल्ली से विमान से यहां आये। हवाई अड्डे से वे कन्टूनमेंट को गये जहां जनरल थिमाया ने पूर्वी पंजाब के सैनिक-कार्यालय की ओर से उनका स्वागत किया और नेहरूजी को अन्य सैनिक अफसरों का परिचय कराया। नेहरूजी ने जमादार जोगेन्द्र सिंह को उनकी शूरवीरता के लिए पदक प्रदान किया।

नेहरूजी ने महात्मा गांधी की हत्या की चर्चा करते हुए अपना भाषण प्रारम्भ किया और उपस्थित भीड़ से, जिसमें सैनिकों के सिवा हजारों नागरिक भी थे, अनुरोध किया कि वे अपने दिल को टटोले और पता लगायें कि देश में क्या हो गया है कि जिसके कारण ऐसी घृणात्मक कार्रवाई हुई। यदि वे देश के अमूल्य रत्न की रक्षा न कर सके तो वे किस तरह से साधारण नागरिक की रक्षा कर सकते हैं। अत यह उनका फर्ज हो जाता है कि साम्प्रदायिकता के जहर का, जिसके कारण गांधीजी की हत्या हुयी, जड़ से नाश कर दें।

उन्होंने आगे कहा कि भारत विशाल देश है। लेकिन जब तक देश की जनता अपने महान नेता के बताये रास्ते पर ठीक तरह से न चलेगी, तब तक यह वास्तविक अर्थ में बड़ा देश नहीं हो सकता। आपको यह स्मरण रखना है कि यदि देश में कमजोरी रहती है तो वह बाहर के खतरे का सामना करने के लिए काफी शक्तिशाली नहीं बन सकता। आप लोगों को सभी प्रान्तों और सभी सम्प्रदाय के लोगों के साथ भाई जैसा बर्ताव करना चाहिये। यदि आप ऐसा करते हैं, तो भारत वास्तव में शक्तिशाली होगा। यदि प्रत्येक सम्प्रदाय अपनी भलाई की बात सोचता रहेगा तो देश की उन्नति नहीं हो सकेगी। हमारा लक्ष्य यही होना चाहिये कि हम किस तरह से अपने देश की सेवा कर सकते हैं।

खतरा गहराने का संकेत

पुतिन और बाइडेन के संबोधनों से कुछ संकेत पाने के प्रयास में नजर आई। संकेत मिले भी। संकेत यह है कि यूक्रेन युद्ध का समाधान अभी कहीं करीब नहीं है। खतरा बढ़ रहा है।

सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में अमेरिका की तर्ज पर स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की शुरुआत की गई थी। लेकिन इस बार राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के संबोधन पर दुनिया का जितना ध्यान केंद्रित हुआ, वैसा शायद पहले ही कभी हुआ हो। इसकी एक बड़ी वजह तो यह है कि ये संबोधन यूक्रेन युद्ध की पहली बरसी से सिर्फ तीन दिन पहले हुआ, लेकिन इसका एक और कारण इस भाषण के एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति की हुई यूक्रेन यात्रा भी रहा। फिर पुतिन के संबोधन के कुछ घंटों बाद ही पोलैंड में बाइडेन का भाषण तय था। तो दुनिया इन दोनों संबोधनों से कुछ संकेत पाने के प्रयास में नजर आई। संकेत मिले भी। संकेत यह है कि यूक्रेन युद्ध का समाधान अभी कहीं करीब नहीं है। अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूस से घुटने टेकवाने की पुरानी रणनीति पर आगे बढ़ने का इरादा दिखाया है, तो पुतिन ने भी दो टूक कहा है कि वे रूस का मकसद पूरा होने तक लड़ाई जारी रखेंगे। मॉस्को में रूसी सांसदों और सेना के बड़े अधिकारियों की सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा- यूक्रेन के लोगों को कीव प्रशासन और उसके पश्चिमी मालिकों का बंधक बनाया हुआ है।

> “ भाजपा इस सच्चाई को समझती है, इसलिए उसने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। वरना, वह आश्वस्त होकर बैठी रह सकती थी कि विपक्ष एक नहीं है, इसलिए मैदान तो उसके हाथ आएगा ही। अगले कुछ महीनों में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। कम से कम उनके संपन्न होने तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता, न विपक्ष के बारे में और न सत्ताधारी दल के बारे में।

विपक्ष को जोड़ना-तोड़ना ही सियासत

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

अगर इस देश में विपक्षी एकता का कोई स्थायी सूचकांक होता, तो सेंसेक्स और निफ्टी जैसे शेयर सूचकांक उसके सामने पानी भरते। भारत के विपक्ष की एकता को लेकर जिस तरह का उतार-चढ़ाव दैनिक खबरों में दिखाई देता है, वैसी उछाल और गिरावट के बारे में तो शेयर बाजार सपने में भी नहीं सोच सकता। इसे लेकर राजनीति में एक अन्योक्ति भी अक्सर सुनाई जाती है- हर उस सप्ताह, जिसमें मंगलवार नहीं होता, विपक्षी एकता के प्रयासों की खबर नहीं आती। कई बार ऐसा भी लगता है कि इस देश में विपक्षी एकता की कोशिशें और उसे पंक्चर करने के प्रयास ही असली राजनीति है, बाकी सब तो नीरस प्रेस विज्ञप्तियां हैं।

कम या ज्यादा यह दुनिया के तकरीबन उन सभी लोकतंत्रों में होता है, जहां पर बहुदलीय व्यवस्था है। चुनावों में और कई मुद्दों पर विपक्षी दल एक साथ आ जाते हैं और बहुदलीय लोकतंत्र द्विदलीय व्यवस्था की तरह दिखने लगता है। इसको जरूरी भी माना जाता है। सत्ताधारी दल के नेता राज-राजेश्वर की तरह बर्ताव न करने लगें, इसके लिए एक मजबूत विपक्ष की जरूरत राजनीति शास्त्र के ककहरे में ही पढ़ा दी जाती है। फिर, विपक्ष ऐसा भी होना चाहिए, जो सत्ताधारी दल के सिर पर उसे अपदस्थ कर देने के खतरे की तरह हरदम खड़ा रहे। ऐसी जगहों में इसे एक सामान्य सी चीज माना जाता है।

इसके विपरीत, भारतीय राजनीति के आदिकाल से विश्लेषकों और टिप्पणीकारों में विपक्षी एकता को लेकर उपहास का एक भाव रहा है। टूटा, बिखरा जैसे विशेषण उसके साथ जोड़े जाते रहे हैं और उसे ‘भानुमती के कुनबे’ जैसे ढेर सारे रूपकों से नवाजा जाता रहा है। आज भी मोटे तौर पर ऐसी ही सोच है। अक्सर हम सत्ताधारी दल को आदर्श मान लेते हैं और यह उम्मीद बांधते हैं कि उसे चुनौती देने के लिए विपक्ष को भी ठीक वैसा ही होना चाहिए। साल 2014 के बाद से तो ऐसा सोचने वालों की संख्या बढ़ी ही है।

जब हम नई दिल्ली और कई राज्यों की सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी को देखते हैं, तो एक सिरे से दूसरे सिरे तक उसमें गजब की समानता दिखाई देती है। कई बार लगता है कि जैसे सबके सब एक ही सांचे में ढले हों या एक ही फैक्टरी से बनकर निकले हों। देश के किसी भी कोने से दिया गया हो, उसके सारे नेताओं के बयानों में अद्भुत साम्य होता है। उनका बचाव भी एक जैसा होता है और उनकी आक्रामकता भी। मानो सारी अभिव्यक्तियों और भंगिमाओं की एक ही कंप्यूटर में प्रोसेसिंग की गई हो।

विपक्ष इस तरह का नहीं है। वह हो भी नहीं सकता। जिनको हम विपक्षी दल कहते हैं, उन सबका इतिहास अलग है और भूगोल भी। उनकी जमीन जुदा है और उनका आसमान भी एक-दूसरे से अलग है। कोई राष्ट्रीय है, कोई प्रादेशिक, कोई क्षेत्रीय, तो किसी का आधार किसी उप-जाति विशेष तक सीमित है। वे सब अलग-अलग अभिलाषाओं, अपेक्षाओं व लालसाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए सबके मन अलग हैं, वचन अलग और कर्म भी। हर एक की मथुरा तीन लोक से न्यारी है। कुछ के बालहठ चंद खिलौना लैहों से बहुत आगे नहीं देख पाते। जब हमारा विपक्ष एकताबद्ध होने की बात करता है, तो उसके सामने एक चुनौती ऐसे बालहठ को अपनी उस सेना में शामिल करने की होती है, जिसे आगे बढ़कर नई दिल्ली के तपते सूरज को चुनौती देनी है। उनके आपसी अंतर्विरोध भी कम नहीं। कुछ दल हैं, जो एक-दूसरे के साथ बैठ नहीं सकते, तो कुछ ऐसे हैं, जो एक-दूसरे को देख भी नहीं सकते। एक राज्य में वे एक-दूसरे से गठजोड़ कर लेते हैं, तो दूसरे राज्य में एक-दूसरे के खिलाफचुनाव लड़ते हैं। इन दिनों एक और नई चीज हुई है। हर दूसरे दल को तीसरा दल भारतीय जनता पार्टी की बी-टीम लगता है। वह उसे वोटकटवा मानता है, इसलिए उसके साथ खड़े होने का तो सवाल ही नहीं।

बेशक, ये सारी बातें निराश करने वाली लग सकती हैं, लेकिन यही भारतीय राजनीति का यथार्थ है और इसे स्वीकार करके ही हम किसी नतीजे पर पहुंच सकते हैं। अपनी इन्हीं खामियों और इन्हीं अंतर्विरोधों के साथ विपक्ष ने भारतीय लोकतंत्र में अपनी एक अहम भूमिका निभाई है। 1977 के आम चुनाव को अगर हम अपवाद परिस्थितियों के कारण छोड़ भी दें, तो विपक्ष पहले और बाद में यह भूमिका निभा चुका है। इन्हीं यथार्थ के बीच से राजीव गांधी की प्रबल और ऐतिहासिक बहुमत वाली सरकार को मात मिली थी। इसी तरह के विपक्ष ने अटल बिहारी वाजपेयी को दो बार सरकार चलाने का मौका दिया। मनमोहन सिंह ने अगर लगातार दस साल तक केंद्र में सरकार चलाई, तो इसके पीछे भी विपक्ष की यही ताकतें थीं। इसलिए इस विपक्ष को लेकर बड़ी उम्मीद बांधने का कोई नया कारण भले ही न हो, लेकिन उसे लेकर निराश होने की भी कोई नई वजह नहीं दिखती है। अगला लोकसभा चुनाव अब महज 15 महीने दूर है और चुनाव की यह नजदीकी बहुत से लोगों को बेचैन कर रही है। उन्हें लगता है कि संपूर्ण विपक्षी एकता के लक्षण अभी ही ठीक से नहीं दिख रहे हैं, तो भविष्य को लेकर क्या खाक उम्मीद बांधी जाए? वह भी तब, जब भारतीय जनता पार्टी कमर कसकर मैदान में सक्रिय हो चुकी है। यह उम्मीद भी विपक्ष के यथार्थ से मेल नहीं खाती। अक्सर कहा जाता है कि विपक्षी दल छह महीने तक साथ नहीं रह सकते और तीन महीने तक एक-दूसरे से अलग नहीं रह पाते। यानी, विपक्षी दल अगर आज साथ आ भी जाएं, तो इसकी कोई गारंटी नहीं है कि अगले 15 महीने तक वे साथ रहेंगे। इसलिए विपक्षी एकता भारतीय राजनीति का स्थायी भाव है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जो सतत चलती रहती है। जब चुनाव न हों तब भी, जब चुनाव हो तब भी और चुनाव के बाद भी। भाजपा इस सच्चाई को समझती है, इसलिए उसने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। वरना, वह आश्वस्त होकर बैठी रह सकती थी कि विपक्ष एक नहीं है, इसलिए मैदान तो उसके हाथ आएगा ही। अगले कुछ महीनों में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। कम से कम उनके संपन्न होने तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता, न विपक्ष के बारे में और न सत्ताधारी दल के बारे में।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सीमा पर बसे लोगों और गांवों को सशक्त बनाने का समय

अनिल बलूनी, सांसद व मीडिया प्रमुख, भाजपा

मैं सीमावर्ती राज्य उत्तराखंड से आता हूं। मैं जब भी उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों के सीमावर्ती गांवों में जाता था, तो वहां के पलायन की भयावह तस्वीर देखकर तरह-तरह की आशंकाएं मेरे मन में उत्पन्न होने लगती थीं, क्योंकि चीन की सीमा से सटे कई गांव तो बिल्कुल खाली हो गए थे। जब भी हमारी सीमा के आसपास चीनी सैनिकों की संदिग्ध गतिविधियां होती थीं, तो स्थानीय ग्रामीण ही इसकी जानकारी हमारी सुरक्षा एजेंसियों को देते थे, पर सीमा से सटे हुए गांव के खाली हो जाने की सूरत में सीमा पर अतिक्रमण की आशंकाएं प्रबल होने लगी थीं। कमोबेश यही हाल सीमा से लगे पूर्वोत्तर सहित देश के अन्य राज्यों का भी था। दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस की सरकारों के समय सीमा का विकास नहीं करना ही नीति बन गई थी। इससे देश को काफी नुकसान हुआ, इसलिए इस दिशा में कंक्रीट प्लान बनाने की जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम’ देश की इसी जरूरत का उत्तर है, जो सीमावर्ती इलाकों के विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

पहले जिन इलाकों को सीमाओं का अंत मानकर नजरंदाज किया जाता था, वहीं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की समृद्धि का आरंभ मानकर काम शुरू किया। उन्होंने पिछले वर्ष अक्तूबर में माणा में कहा था कि उनके लिए सीमा पर बसा हर गांव देश का पहला गांव है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य वास्तविक नियंत्रण रेखा के समीप स्थित गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत कर आवासीय सुविधाओं को उन्नत बनाना है, ताकि प्रवासन को रोका जा सके। इसमें पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और आजीविका विकास पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। सीमांत गांवों में हर घर तक दूरदर्शन और शिक्षा संबंधित चैनलों की सीधी पहुंच भी सुनिश्चित की जाएगी। इससे आने वाले दिनों में चीन, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, भूटान की सीमा से सटे गांवों की न सिर्फ तस्वीर बदलेगी, बल्कि वहां से पलायन भी रुक सकेगा।

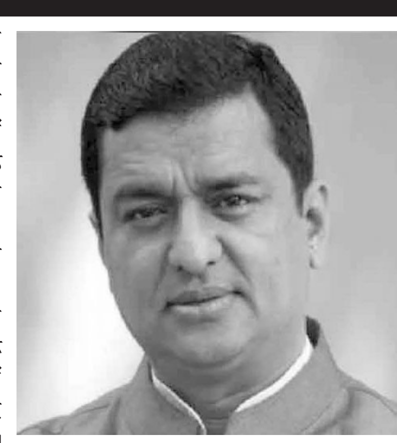

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के कंसेप्ट को 2022-23 के बजट में अंगीकार किया गया था। तब इस प्रोग्राम के लिए सीमा सड़क संगठन के बजट में 40 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 3,500 करोड़ रुपये कर दिया गया। इस बार के बजट में भी 43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सीमा सड़क संगठन के बजट को बढ़ाकर 5,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। देश के पांच राज्यों के 2,962 गांवों को इस योजना के तहत विकसित किया जाएगा।

भारत के सीमावर्ती गांव कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण वर्षों से विकास से दूर रहे। इसका फायदा देश के दुश्मनों ने उठाया। न सिर्फहमारी सीमा तक उनकी पहुंच आसान हो गई, बल्कि अवैध घुसपैठ की समस्या भी खड़ी हो गई। दूसरी ओर, चीन ने भारत से सटे इलाकों में अपना प्रभाव बढ़ाया, अपने बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास किया, सैन्य गतिविधियां भी बढ़ाई और भारत की सीमा से सटे अपने इलाके में गांवों को बसाने की भी योजना शुरू की। साल 2018 में संसद की स्थायी समिति ने भी सीमावर्ती इलाकों में निरक्षरता, पिछड़ापन, गरीबी और सुविधाओं की कमी को देखते हुए उनके विकास का सुझाव दिया था। विविधता में एकता के साथ ही ‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ की परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए स्नेह मिलन, विलेज टूरिज्म और वाइब्रेंट बॉर्डर टूरिज्म की पहल की गई है। इन कार्यक्रमों से देश की भाषा और संस्कृति का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार हो सकेगा और एकजुटता को बढ़ावा भी मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को मजबूती देने के लिए पार्टी स्तर पर योजनाएं बनाने का आग्रह किया था। उनके आह्वान पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के नेतृत्व में सीमावर्ती गांवों तक पार्टी की पहुंच सुनिश्चित करने और वहां के लोगों से संपर्क स्थापित करने की कई योजनाएं बनीं। नहीं भूलना चाहिए कि सीमा पर बसे लोग देश के अग्रणी और सशक्त प्रहरी हैं। उन्हें पहली बार एहसास हो रहा है कि देश की सरकार उनकी चिंता कर रही है। यही बदलते भारत की कहानी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इच्छाओं से भरा मन

यदि मन सपनों से भरा है, तो आप यथार्थ को ठीक से देख नहीं सकते; यदि हृदय इच्छाओं से भरा है, तो आप जीवन का सही अनुभव नहीं कर सकते। आपकी आंखें धुंधली हो जाती हैं।

सफलता के विषय में लोगों के मन में बहुत गलतफहमी है। सभी सोचते हैं कि सफलता कोई लक्ष्य है, जो दूर कहीं रखा है, उस तक हमें पहुंचना है और हर हाल में उसको हासिल करना है। लेकिन इस सोच के कारण सफलता सही मायने में मिलती नहीं है। जब हम लक्ष्य पर पहुंचते हैं, तो वह इतना आकर्षक नहीं मालूम होता, जितना कल्पना में था।

मार्शल आर्ट में जो तीरंदाजी सिखाई जाती है, उसे देखकर ऐसा लगता है कि लक्ष्य पर तीर चलाना सफलता की निशानी है, लेकिन एक प्रशिक्षक का कहना बिल्कुल उलटा है। वे कहते हैं, तीर कहां पहुंचता है, इसकी फिक्र मत करो, तीरंदाज किस स्थिति में है, यह महत्वपूर्ण है। अगर तीरंदाज संतुलित, शांत, स्थिर है, तो तीर गंतव्य पर पहुंचेगा ही। उसकी चिंता न करें। इस पृष्ठभूमि में चीन के महानतम गुरुओं में से एक च्वान्त्जु के ये सूत्र बहुत उपयोगी होंगे। वह कहते हैं, जब एक तीरंदाज अपनी मौज के लिए शूटिंग कर रहा होता है, तब उसके पास उसका पूरा कौशल होता है, वह आत्मविश्वास से भरपूर होता है, लेकिन अगर वह कोई पदक पाने के लिए तीर चलाता है, तो वह पहले से ही घबराया हुआ है; अगर वह स्वर्ण पदक के लिए तीर चला रहा है, तो वह बिल्कुल अंधा हो जाता है, या दो लक्ष्य देखता है। वस्तुत उसका कौशल नहीं बदला है, लेकिन पुरस्कार की आशा उसे विभाजित करती है। वह जीतने के बारे में अधिक सोचता है, शूटिंग के बारे में कम। यह जीतने की जरूरत उसे वर्तमान से बाहर कर देती है।

इस पर ओशो की टिप्पणी लाजवाब है। वह कहते हैं, यदि मन सपनों से भरा है, तो आप यथार्थ को ठीक से देख नहीं सकते; यदि हृदय इच्छाओं से भरा है, तो आप जीवन का सही अनुभव नहीं कर सकते। आपकी आंखें धुंधली हो जाती हैं। इच्छाएं, आशाएं और सपने भविष्य में ले जाते हैं। भविष्य आपको परेशान करता है, लेकिन सच यही है कि जो कुछ भी है, वह सब वर्तमान में है, जिसे आप देखकर भी देख नहीं पाते; आप सुनते हैं, फिर भी चूक जाते हैं; आप अनुभव करते हैं, लेकिन भाव उथला है, वह गहरा नहीं हो सकता।

ऐसे ही, सत्य चूक जाता है। लोग यह पूछते रहते हैं कि परमात्मा को कहां खोजें अथवा सत्य को कहां खोजें? यह परमात्मा या सत्य को खोजने का प्रश्न नहीं है। वह तो हमेशा यहीं है, यह और कहीं नहीं रहा, यह नहीं हो सकता। सवाल यह है कि आप कहां हैं? आपकी आंखें सपनों से भरी हैं, आपका हृदय इच्छाओं से भरा है। ये परदे हैं, जो सत्य और आपके बीच आते हैं। इसी दुनिया में बुद्ध पुरुष जीते हैं और साधारण आदमी भी जीता है, लेकिन दोनों के अनुभव में जमीन-आसमान का फर्क होता है।

अमृत साधना

देश में छापे ही छापे!

भारत छापों का देश हो गया है। चारों तरफ छापे पड़ रहे हैं। देश के आठ राज्यों में एनआईए के छापे हैं तो 11 राज्यों में आयकर विभाग के छापे हैं। सीबीआई और ईडी के अलग छापे हैं। सोचें, राजधानी दिल्ली में एक समय आए दिन बिक्री कर या वैट से जुड़े छापे पड़ते थे। अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनाव प्रचार में इसे मुद्दा बनाया था और कारोबारियों को भरोसा दिलाया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे छापे बंद कराएंगे। उन्होंने सरकार बनने के बाद सचमुच छापे रोक दिए और वसूली भी बढ़ गई। बाद में जीएसटी आ गई तो छापे लगभग पूरे देश में ही बंद हो गए। लेकिन उसी अनुपात में सीबीआई, ईडी, आयकर और एनआईए के पूरे देश में छापे शुरू हो गए हैं। कोई दिन ऐसा नहीं होता है, जब कोई न कोई एजेंसी कहीं छापा नहीं मार रही होती है। हालांकि अंतिम कार्रवाई कहीं नहीं हो रही है। कोई भी जांच किसी नतीजे पर नहीं पहुंच रही है। किसी को सजा नहीं हो रही है लेकिन छापे धड़ाधड़ पड़ रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनआईए ने आठ राज्यों में 76 जगह छापे मारे। ये छापे दो गैंगेस्टरों को लेकर हैं। वे गैंगेस्टर भी हैं और अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों से उनके संबंध हैं, वे आतंकवाद फैलाते हैं और टेरर फंडिंग करते हैं। कथित तौर पर किसी के तार कनाडा से जुड़े हैं तो किसी के पाकिस्तान से। कहीं गैंगेस्टरों को लेकर है, कहीं आतंकवादियों को लेकर है तो कहीं नक्सलियों को लेकर है। लेकिन कश्मीर से कन्याकुमारी तक एनआईए के छापे हैं। मंगलवार को जिस समय एनआईए की छापेमारी चल रही थी उसी समय सीबीआई न एफसीआई द्वारा खराब क्वालिटी का अनाज खरीदने के मामले में पंजाब में 50 जगह छापे मारे। पंजाब में एनआईए की कार्रवाई चल रही थी तो साथ ही सीबीआई की भी चल रही थी। उसी समय यानी मंगलवार को ही यूफ्लेक्स कंपनी के नोएडा सहित देश के 11 राज्यों में 64 जगहों पर आयकर विभाग की छापेमारी चल रही थी। अभी कुछ ही दिन पहले आयकर विभाग ने बीबीसी में सर्वे किया था। बहरहाल, पिछले हफ्ते ईडी ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के दो विधायकों, कोषाध्यक्ष सहित आठ लोगों के दर्जनों ठिकानों पर छापेमारी की थी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

अमृत सरोवर मिशन के लिए राज्यों के मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक आयोजित

अमृत सरोवर के प्रति जागरूकता, इसके लाभ सहित विभिन्न आयामों के संबंध में की गई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। भारत सरकार के अमृत सरोवर मिशन 2023 अंतर्गत राज्यों के मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर डोमन सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार बैठक में विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस मौके पर अमृत सरोवर के निर्माण तथा पंचायत प्रतिनिधि एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति, अमृत सरोवर में जन सहभागिता सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर अमृत सरोवर के प्रचार-प्रसार, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह की महिलाओं को जोडने् तथा जनसामान्य में अमृत सरोवर के प्रति जागरूकता लाने के लिए कहा गया। ग्राम सभा के माध्यम से अमृत सरोवर के प्रति सजगता, इसके लाभ के साथ ही पर्यावरण संस्कृति, पर्यटन सहित विभिन्न आयामों के बारे में चर्चा की गई।

उल्लेखनीय है कि जल संरक्षण के दृष्टिकोण से प्रारंभ की गई अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत जिले में लगातार कार्य किया जा रहा है। राजनांदगांव जिले में 36 कुल स्वीकृत अमृत सरोवर है। अब तक 12 अमृत सरोवर पूर्ण कर लिए गए हैं एवं उनमें पंचायत प्रतिनिधि तथा यूजर ग्रुप का चयन पूर्ण कर लिया गया है। इन 12 पूर्ण अमृत सरोवर वृक्षारोपण के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। पंचायत प्रतिनिधि का चयन एवं पंचायत स्तरीय अधिकारी के चयन का कार्य समस्त अमृत सरोवर हेतु पूर्ण कर लिया गया। राजनांदगांव जिले के कुल 36 अमृत सरोवर में 26 जनवरी 2023 को ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत के नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं मनरेगा के समस्त मजदूर उपस्थित रहे। अमृत सरोवर के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं ग्राम पंचायत में समय-समय पर रैली निकालकर जल जागरूकता के संबंध में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत जल संरक्षण में दीवार लेखन का कार्य भी किया गया।

जिला राजनांदगांव के कुल 36 अमृत सरोवर नरेगा के माध्यम से निर्मित किए जा रहे हैं जिसमें से निकलने वाली मिट्टी को अमृत सरोवर के निर्माण एवं नरेगा अंतर्गत मिट्टी सड़क निर्माण के लिए उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर नीति आयोग द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से सुझाव दिए गए तथा जिलों में आर्थिक व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, लघु उद्यम, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं पोषण, कौशल विकास के संबंध में भी चर्चा की गई।

देश के खिलाफ काम होगा तो कांग्रेस खड़ी हो जाएगी-राहुल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस अधिवेशन के अंतिम दिन आज पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने संबोधन में मोदी सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि मैंने संसद में एक उद्योगपति पर निशाना साधा कि वो उद्योगपति कैसे नंबर वन बन जाते हैं ? एक ही उद्योगपति को सभी देशों में काम मिल जाता है। पीएम मोदी से यही सवाल पूछा कि अडानी से आपका रिश्ता क्या है? पूरी मोदी सरकार इस सवाल के बाद अडानी की रक्षा करने लगी। क्या अडानी देश के लिए सबसे बड़े भक्त हैं? क्या है इस अडानी में, कि पूरी मोदी सरकार उसके सपोर्ट में खड़ी हो जाती है। अडानी मामले की जांच क्यों नहीं हो रही है ? जेपीसी क्यों नहीं बैठाई जा रही है? अडानी और मोदी एक हैं। देश का पूरा धन एक व्यक्ति के हाथ में जा रहा है। हम जब सिर्फये पूछते हैं कि रिश्ता क्या है? हमारी पूरी की पूरी स्पीच हटा दी जाती है। जब तक अदानी की सच्चाई सामने नहीं आ जाती हम सवाल पूछते रहेंगे। अदानी की कंपनी में जो लोग काम कर रहे हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि यह कंपनी देश को नुक़सान पहुंचा रही है। आज़ादी की लड़ाई भी एक कंपनी से शुरू हुई थी। उस कंपनी ने भी हिंदुस्तान का सारा धन उठा लिया था। इतिहास रिपीट हो रहा है। देश के खिलाफकाम हो रहा है। देश के खिलाफ काम होगा तो कांग्रेस पार्टी खड़ी हो जाएगी। ये पुजारियों की पार्टी नहीं, तपस्वियों की पार्टी है। सिर्फ़ चार महीने की तपस्या से सबसे देखा कि देश में कैसे जान आ गई। तपस्या बंद नहीं होनी चाहिए। हर नेता को इस तपस्या में शामिल होना चाहिये। सबका पसीना निकलना चाहिए। सीनियर नेता बैठे हैं। तपस्या का प्रोग्राम बनाइए। अपना खून पसीना देश को देंगे। हम जैसे ही तपस्या में खड़े हो जाएंगे, पूरा देश इसमें शामिल हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि सावरकर की विचारधारा है कि जो सबसे मजबूत हो, उसके सामने सिर झुका दो। आज केंद्र के मंत्री कहते हैं जो आर्थिक रूप से मजबूत देश है उसके सामने टिक नहीं सकते।

खास खबर

होली पर पूछपरख बढ़ी हर्बल रंगों की

कोरबा। आपसी सदभाव के नाम से होली या रंगोत्सव को जाना जाता है। कैमिकल रंगों से होने वाले नुकसान से लोगों को बचाने की जरूरत महसूस की जा रही है और प्राकृतिक रंगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में कई स्वसहायता समूह इस काम में लगे हुए हैं। अच्छे अनुभव के कारण इस बार भी इन रंगों की बेहतर पूछपरख बनी हुई है। जिले में कटघोरा के हुकरा का जगतजननी महिला स्वसहायता समूह इस मामले में सबसे आगे है। 25 से अधिक महिलाएं इसमें जुड़ी हुई हैं। उन्होंने प्राकृतिक तत्वों को शामिल करने के साथ होली में हर्बल रंग और गुलाल बनाना जारी रखा है। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर रखा गया कि इनके उपयोग से मानव त्वचा बेहतर रहे और उस पर कोई दुष्प्रभाव न हो। समूह के अध्यक्ष ने बताया कि अबकि बार भी अच्छी मार्के टिंग हो रही है। हमारे ब्रांड को पहले से पहचान मिली हुई है और निश्चित रूप से इसका लाभ हमें हुआ है। इससे पहले दीपावली पर कई प्रकार के कलात्मक दिए बनाकर समूह ने अच्छी खासी आमदनी की।

बस्तर परिवहन संघ के चुनाव में प्रदीप पाठक अध्यक्ष पद के लिए चुने गए

जगदलपुर। बस्तर परिवहन संघ के चुनाव में शनिवार की सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान हुआ। शाम छह बजे के बाद मतगणना शुरू की गई। चुनाव में एकता एवं अपना पैनल के बीच मुकाबला था। परिवहन संघ के वैध 2182 मतदाताओं में से एक हजार 1472 ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, इस तरह 67 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के बाद बीती रात 02 बजे घोषित नतीजों में अपना पैनल के प्रत्याशियों ने सभी पदों पर जीत दर्ज की है, जिसमें प्रदीप पाठक अध्यक्ष पद के लिए चुने गए हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अमरजीत सिंह रियार को हराया। उपाध्यक्ष के 02 पदों के लिए क्रमशः भूपेंद्र सिंह झज्ज एवं विनोद त्रिपाठी विजयी रहे। सचिव पद के लिए आधी रात के बाद रिकाउंटिंग की गई।

केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ को दबाना चाहती है - प्रियंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जोरा रायपुर में आयोजित आमसभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम पहुंचे। दीप प्रज्वलित कर आमसभा की शुरुआत की गई। कांग्रेस अधिवेशन के समापन के बाद विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि किसान एक दिन में 27 रुपए कमा रहा है लेकिन प्रधानमंत्री के मित्र 1600 करोड़ कमा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतना बड़ा अधिवेशन आपके प्रदेश में चल रहा है। आपके प्रदेश की सुंदरता के बारे में सुना था। छत्तीसगढ़ प्रदेश से मेरे परिवार का बहुत लगाव है। इस प्रदेश में सामूहिकता की पुरानी परंपरा है। इस देश का संविधान भी सामूहिकता की भावना से ही बना हुआ है। ये संविधान एक सामूहिक परंपरा पर आधारित है। कांग्रेस पार्टी इस संविधान को बचाने का काम कर रही है। संविधान सभी को समान मौका देता है। इज्जत से जीने का मौका, अपने धर्म को निभाने का मौका देता है। संविधान को मजबूत रखने के लिए मीडिया, न्यायपालिका और संसद है। अगर ये तीनों कमजोर होते हैं तो आपको आपका अधिकार नहीं मिलता है। आज इस देश की परिस्थितियों को समझने की जरूरत है। इस देश की सरकार ने मीडिया को दबाकर रखा है। न्यायपालिका पर सरकार दबाव बनाती है। संसद पर मुद्दों को दबाने की कोशिश होती है।आपने अखबारों में पढ़ा होगा कि छत्तीसगढ़ में लगातार ईडी आईटी के छापे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पूरे देश में नाम कमा रहे है। देश भर में छत्तीसगढ़ का नाम हो रहा है। इसीलिए केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ को दबाना चाहती है। छत्तीसगढ़ की सरकार किसी के दमन से नहीं रुकेगी। ये आपका विकास करने के लिए सत्ता में आई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी एजेंसियों को भेजकर प्रदेश को दबाने की कोशिश कर रही है। हम सभी को समझना पड़ेगा। हमारी देश में क्या स्थिति चल रही है। अगर प्रदेश की नीतियां आपको बचाती नहीं तो केंद्र की नीतियां आपको खत्म कर डालतीं। किसान एक दिन में 27 रुपए कमा रहा है लेकिन प्रधानमंत्री के मित्र 1600 करोड़ कमा रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार गौतम अडानी को बैंकों से 80 हजार करोड़ रुपए का लोन दे रही है। लेकिन किसानों को लोन देने के नाम पर केंद्र सरकार हाथ उठा लेती है। इस देश में सरकार गरीब आदमी की सुनवाई नहीं कर रही। केंद्र में प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा का एक एक कार्यकर्ता अडानी को बचाव और उसके पक्ष में बात करता है। सबका साथ और सबका विकास का नारा अब मित्र का साथ और मित्र के विकास में बदल गया है। आने वाले समय में प्रदेश में चुनाव है। चुनाव से पहले कई बातें सामने आएंगी। धर्म की बात, संप्रदाय की बात, लेकिन आप अपनी बात करिए। इस प्रदेश की सरकार आपके लिए काम कर रही है। छत्तीसगढ़, राजस्थान और हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है।

अधिवेशन समापन पर मल्लिकार्जुन बोले-हमारा नारा मजबूत कांग्रेस, बुलंद भारत

कांग्रेस के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन अवसर पर अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आतिथ्य के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जोरदार तारीफकी। श्री खड़गे ने कहा कि जिस शानदार तरीके से छत्तीसगढ़ में उन्हें प्यार मिला और डेलिगेट्स का ख्याल रखा गया, उसके लिए उन्हें बधाई देते हैं। अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को मजबूत कांग्रेस, बुलंद भारत का नारा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा के खिलाफविचारधारा की लड़ाई तेज करनी होगी। कांग्रेस एकजुट होकर लड़ने तैयार है। भारत जोड़ो यात्रा से यही संदेश मिला है। श्री खड़गे ने कहा कि निजीकरण, महंगाई, बेरोजगारी का मुकाबला करना होगा। मिश्रित अर्थव्यवस्था पर चलना होगा। पूंजीवादी शक्तियों से देश को बचाना है। किसानों के आर्थिक उत्थान पर जोर देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कृषि क्षेत्र में और आर्थिक निवेश करना होगा।

प्राथमिक शाला बाघाडोला में आयोजित हुआ सामाजिक अंकेक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। शासकीय प्राथमिक विद्यालय बाघाडोला में रविवार अवकाश दिवस पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी.बाखला, जिला मिशन समन्वयक नरेंद्र चौधरी, सहायक परियोजना समन्वयक भुवनेश्वर पटेल के दिशा-निर्देश व विकास खंड शिक्षा अधिकारी पुसौर दिनेश पटेल के मार्गदर्शन में व प्रभारी बीआरसी शांति ठाकुर की उपस्थिति में आज एफएलएन आधारित सामाजिक आंकलन ब्लॉक द्वारा नामांकित टीम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर माध्यमिक विद्यालय पंचपारा से गुणमणि गुप्ता, हाई स्कूल पंचपारा के व्याख्याता रीना, सीएसी सोड़ेकेला पंचानन निषाद, प्राथमिक विद्यालय कोसमंदा सरोजनी द्वारा तीसरी से पाँचवी कक्षा के प्रत्येक बच्चों को सरल टूल का उपयोग करते हुये हिन्दी विषय पर अनुच्छेद स्तर से पढ़ाई का स्तर जांच किया गया जो बच्चे अनुच्छेद पढ़ ले रहे थे उन्हें कहानी स्तर की समझ को पुछा गया जो बच्चे अनुच्छेद स्तर को नही कर पा रहे थे उन्हें शब्द या वर्ण स्तर पर पढने् का अवसर प्रदान किया जा रहा था। इस प्रकार विकास खंड द्वारा नामाकित टीम द्वारा हिन्दी विषय का स्तर जांच किया गया। हिन्दी विषय के साथ गणितीय कौशल हेतु घटाव से शुरू कर गुणा एव भाग स्तर तक तथा घटाव की प्रक्रिया नही कर पाने पर जोड़ व संख्या स्तर तक बच्चों से प्रश्न पुछा गया इस प्रकार अन्य विषयों को समावेश करते हुये स्तर जाच टीम द्वारा समुदाय के बीच मे प्राथमिक शाला बाघाडोला का सामाजिक अंकेक्षण किया गया।

प्राथमिक विद्यालय बाघाडोला के सामाजिक अंकेक्षण के दौरान प्रमुख रूप से संकुल नोडल प्राचार्य आनंदराम पटेल, सरपंच सुमति लेकरु देहरी, संकुल शैक्षिक समन्वयक श्रवण कुमार साव, शाला प्रबंध समिति अध्यक्ष राखी चौहान एवं नव नियुक्त प्रधान पाठक सुनीता प्रधान व सहयोगी शिक्षक नीतू प्रधान, जानकी गुप्ता व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थिति रहे। नामांकित सदस्यों एवं ग्रामीणजनों ने शाला के बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

पापों का फल भोगना ही पड़ता है

भाग्य से तकरार न कर उसे स्वीकारने में भलाई : शंभूशरण लाटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कथा क्या नहीं कर सकती कथा जो कर सकती है वह अन्य कोई नहीं कर सकता। कथा मनुष्य का ह्रदय परिवर्तन कर सकती है और ह्रदय परिवर्तन कोई नहीं करा सकता। यह कल युग का प्रभाव है इसमें किसी का दोष नहीं। धर्म को केवल कथा ने ही बचा रखा है। कथा व्यापार बन गई कथा को धंधा बना कर इसे गंदा कर दिया है। आज फाटक नहीं है कथा को नाटक बनाकर रख दिया है।

संत श्री शंभूशरण लाटा ने गुढियारी जनता कॉलोनी में रामकथा का वाचन करते हुए ये बातें श्रद्धालुजनों को बताई। उन्होने कहा कि इस कलयुग में लोगों को अपने विवेक से काम लेना चाहिये। किसी कथाकार या गुरू के पीछे नहीं भागना चाहिये आज यह दशा है कि कथाकारों के एजेंट हैं और व कथा का रेट तय करते हैं इससे हमें सावधान रहने की आवश्यकता है।जो पाप हमने किये हों उसका परिणाम भी हमें भोगना होगा। अंतिम समय में मनुष्य के द्वारा किये गये जितने भी पाप है वहउसके सामने आकर खड़े हो जाते हैं।पाप ने भगवान के बाप को नहीं छोड़ा जो पाप के बारे में नही जानते उनकी बात छोडिये लेकिन जो पाप और पुण्य को जानते और समझते हैं उनकी जवाबदारी है कि इससे कैसे स्वंय भी बचें और दूसरों को भी बचाये। उन्होने कहा कि जो भाग्य का मारा है,जो मंदबुद्धि का है यदि वह कुछ कहे या करे उसको सजा देने के बजाए उससे दूर ही रहना चाहिए क्योंकि भगवान ने पहले ही सजा दे दी है । शंभूशरण लाटा ने राजा दशरथ के मरणोपरांत श्राद्ध संस्कारों के बारे में कहा कि अंतिम क्रियाकलाप की जो विधि है उसका पालन कर विधि अनुसार उसे पूरा करना चाहिये लेकिन आज ऐसा नही हो रहा कुछ लोग तीन दिन में और कुछ लोग पांच दिन में पूरा कर रहें यही कारण है कि परिवार में शांति नही है।श्राद्धकर्म श्रद्धा के साथ करना चाहिये। उन्होने कहा कि जीवन में छह व्यवहार परमात्मा की विधि से करने पर ही उसका औचित्य है क्यों कि यह मनुष्य के वश में नही है।जीवन-मरण,लाभ-हानि,यश-अपयश इसे विधि से नहीं पाया जा सकता विधि के साथ-साथ विधाता की सहमति भी जरूरी है। सभी मीरा बाई की तरह नहीं हो सकते कि भगवान उनके विष को अमृत बना दे।उसके लिये मीरा बाई बनना पडेगा ।

शंभूशरण लाटा ने श्रवण प्रसंग पर कहा कि भाग्य से कभी किसी को तकरार नहीं करनी चाहिये जो भाग्य में लिखा है उसे स्वीकार करना चाहिये। भाग्य में नही होने पर यदि वह प्राप्त हो भी जाता है तो भी उपभोग नहीं कर पाता। दूसरा बिना सोचे समझे कभी कोई कार्य नहीं करना चाहिये।

आवश्यकता है

लड़के एवं लड़कियों की वेतन चार अंकों में

भिलाई मसाला उद्योग

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

तन व मन स्वस्थ हो तो ही जीवन मस्तः प्रभाकर साहेब

राजनांदगांव। ग्राम मोखला, जीवन में हर कोई मस्त रहना चाहता है, किन्तु आज मस्त आदमी का मिलना बड़ा मुश्किल है, क्योंकि अधिकांश लोग शारीरिक पूर्ति में ही मस्ती ढूंढते है, जबकि जिसका तन व मन स्वस्थ होता उसी के जीवन में असली मस्ती आती है! यह बात राष्ट्रीय संत प्रभाकर साहेब ने मोखला में दो दिवसीय सत्संग समारोह के समापन पर श्रदालुओं को सम्बोधित करते हुए कही! उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन व परिस्थितियां भिन्न भिन्न होती है इसलिए बिना बिचारे किसी की नकल न करें जैसे एक भेड़ नदी में कूद जाने पर सबको बचाना मुश्किल होता है बिना सोचे किसी का साथ देने से सामूहिक नुकसान उठाना पड़ता है! प्रभाकर साहेब ने कहा कि वयक्ति के जीवन का स्पष्ट लक्ष्य न होने तथा महत्वाकांक्षा बढने के कारण तनाव व डिप्रेशन जैसी स्थिति पैदा हो जाती है! इससे बचने के लिए निष्काम कर्म करें! जो पुरषार्थ करने से कतराता है उसकी देवता तो क्या घरवाले भी मदद नहीं करते! संत गुरुबोध ने कहा कि व्यक्ति की बाणी व कर्म का फल तो देर से आता है किन्तु सोंच का परिणाम तुरंत मिलता है गलत सोंच से वयक्ति दुखी हो जाता है, और सही सोंच में तत्क्षण प्रसन्नता मिलती है, इसलिए अच्छा सोचने की आदत डाले! शांति साहेब ने कहा कि हमार व्यवहार बिगड़ जाता है तो घर परिवार में नर्क पेदा हो जाता है, सच से बड़ा कोई तपस्या नहीं और झूठ से बड़ा पाप नहीं! कार्यक्रम में संत सुबोध साहेब, कोटा, भूषण साहेब, पीपरिया, ने भी कबीर वाणी पर विचार दिये! अंत में बालाराम हिरवानी, रामेश्वरी साहू, गिरिश साहू, खिलेन्द्र हिरवानी, शत्रुघ्न हिरवानी , ईश्वरी दास, घनाराम सहित ग्राम वासियों ने संतो की पूजा आरती की तथा भण्डारे का आयोजन किया जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया! यह जानकारी रुपेंद्र साहू ने दी।

मुख्यमंत्री ने पंडित श्यामाचरण शुक्ल की जयंती पर उन्हें किया याद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्यामाचरण शुक्ल की 27 फरवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। बघेल ने शुक्ल के साथ बिताए समय को याद करते हुए कहा कि श्यामाचरण जी सरल सहज व्यक्तित्व के धनी होने के साथ एक कर्मठ राजनेता थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ और अविभाजित मध्यप्रदेश के लोगों की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए जिनके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

छग विस् अध्यक्ष डॉ महंत ने पंडित श्यामाचरण शुक्ल जयंती पर स्मरण करते हुए दी श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय श्यामाचरण शुक्ल की जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी है। विस् अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने कहा कि, पंडित श्यामाचरण शुक्ल जी कांग्रेस के वरिष्ठ एवं कद्दावर नेता रहे हैं वे एक अनुभवी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नेता थे और तीन बार अविभाजित मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। पंडित श्यामाचरण शुक्ल जी छत्तीसगढ़ की माटी के सच्चे सपूत थे। सरल-सहज व्यक्तित्व के धनी पंडित शुक्ल ने अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में एक सजग और कर्मठ राजनेता के रूप में छत्तीसगढ़ सहित समूचे मध्यप्रदेश की प्रगति के लिए अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है।

गोबर से प्राकृतिक पेंट का निर्माण कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से हो रही हैं मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

- राज्य में गोबर से पेंट उत्पादन की 13 इकाईयां स्थापित, 29 ईकाइयां प्रक्रियाधीन
- पर्यावरण के अनुकूल पेंट निर्माण की आजीविका से महिलाओं को हो रहा लाभ
- एक उत्पादन इकाई से 15 दिनों के अंदर ही 60 हजार तक के गोबर पेंट का विक्रय

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी नरवा, गरुवा, घुरवा और बाड़ी व गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में गोबर से वर्मी कम्पोस्ट के साथ ही अन्य सामग्रियों का निर्माण महिला स्व सहायता समूहों के द्वारा किया जा रहा हैं। गौमूत्र से फसल कीटनाशक और जीवामृत तैयार किये जा रहे हैं। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क योजना (रीपा) आत्मनिर्भरता और सफलता की नई इबारत लिख रही है। इन सबके साथ अब गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने का काम भी पूरे प्रदेश में शुरू हो चुका है महिलाएं प्रशिक्षण लेकर स्व सहायता समूहों के माध्यम से पेंट का निर्माण कर रही हैं।

गोबर से प्राकृतिक पेंट का निर्माण, सभी शासकीय भवनों में अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने के निर्देशः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार गोबर से प्राकृतिक पेंट के निर्माण के लिए 42 उत्पादन इकाइयों को स्वीकृती दी गयी है। इनमें से 13 उत्पादन इकाइयों की की स्थापना हो चुकी है जबकि 21 जिलों में 29 इकाइयां स्थापना के लिए प्रक्रियाधीन हैं। शासन का निर्देश है कि सभी शासकीय भवनों में अनिवार्य रूप से गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट का इस्तेमाल हो।

15 दिनों के अंदर ही 60 हजार रूपए तक के गोबर पेंट का विक्रय

कोरिया जिले के ग्राम मझगंवा में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क योजना के तहत यहां गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने की इकाई शुरू हो गयी है। यहां प्रगति स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित कर पेंट बनाने का कार्य शुरू किया गया है। 15 दिनों के अंदर ही समूह ने 800 लीटर पेंट बनाया है जिसमें से 500 लीटर पेंट का विक्रय किया जा चुका है। पेंट की कीमत लगभग 60 हजार रुपये है। गोबर से बने प्राकृतिक पेंट को सी-मार्ट के माध्यम से खुले बाजार में बेचने के लिए रखा जा रहा है।

पर्यावरण के अनुकूल है प्राकृतिक पेंट

गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट में एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल, पर्यावरण अनुकूल, प्राकृतिक ऊष्मा रोधक, किफायती, भारी धातु मुक्त, अविषाक्त एवं गंध रहित गुण पाये जाते हैं। गुणों को देखते हुये छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समस्त शासकीय भवनों की रंगाई हेतु गोबर से प्रकृतिक पेंट के उपयोग के निर्देश दिये गए हैं।

पेंट निर्माण से ग्रामीण महिलाओं को हो रहा लाभ

गोबर से पेंट बनाने की प्रक्रिया में पहले गोबर और पानी के मिश्रण को मशीन में डालकर अच्छी तरह से मिलाया जाता है और फिर बारीक जाली से छानकर अघुलनशील पदार्थ हटा लिया जाता है। फिर कुछ रसायनों का उपयोग करके उसे ब्लीच किया जाता है तथा स्टीम की प्रक्रिया से गुजारा जाता है। उसके बाद सी.एम.एस. नामक पदार्थ प्राप्त होता है। इससे डिस्टेम्पर और इमल्सन के रूप में उत्पाद बनाए जा रहे हैं।

महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के अंतर्गत महिला स्व सहायता समूहों द्वारा प्राकृतिक पेंट का उत्पादन उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम कर रहा है, प्राकृतिक पेंट की मांग को देखते हुए इसका उत्पादन भी दिन ब दिन बढ़ाया जा रहा है।

गुरु के माध्यम से विद्यार्थी अपने मंजिल पर पहुंच जाती है : गीता घासी साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

डोंगरगांव। ग्राम अर्जुनी में आचार्य सम्मेलन 2023 सरस्वती शिशु मंदिर अर्जुनी में जिला ग्राम भारती राजनांदगांव द्वारा दो दिवसीय सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन रखा गया । इस अवसर पर उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमती गीता घासी साहू अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव थे। अध्यक्षता अशोक लोहिया प्रांतीय अध्यक्ष सरस्वती साहित्य प्रचार समिति रायपुर थे विशेष अतिथि दिनेश गांधी पूर्व अध्यक्ष ज़िला पंचायत, श्रीमती जागृति यदु सदस्य जिला पंचायत राजनांदगांव ,श्रीमती इंदू मती साहू सदस्य जिला पंचायत राजनंदगांव, श्रीमती द्रौपती साहू सरपंच, तिलक सिन्हा, दीना दास , जागेश्वर यादव जनपद सदस्य के आतिथ्य में किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती गीता घासी साहू ने मां सरस्वती के तैल चित्र के समक्ष है दीप प्रज्वलित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि गीता घासी साहू का आयोजक जनों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत सम्मान किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा एक ऐसी मंदिर है जिससे हमें अपने जीवन में आगे बढ़कर अपने लक्ष्य को प्राप्ति का माध्यम है। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देना शिक्षकों द्वारा दायित्व निर्वहन करना अति प्रशंसनीय कार्य है। व्यक्ति धन दौलत शान शौकत के जीवन जीने के लिए आधुनिक भौतिक युग में चकाचौंध में संस्कारवान होना अपने आप में गौरवान्वित करने वाली बात है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के लिए दर्पण के सामान है, शिक्षक रास्ता बताते हैं, जो विद्यार्थी अपन गुरुजन, माता पिता की बातों पर अमल करता है वह अपनी मंजिल तक पहुंच जाता है।

टीम कैट ने राज्यपाल रमेश बैस से सौजन्य मुलाकात की

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ एवं महाराष्ट्र के व्यापार, उद्योग एवं छॉलीवुड के विकास पर चर्चा हुई

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मिडिया प्रभारी संजय चौबे ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर का एक प्रतिनिधी मंडल महामहिम राज्यपाल रमेश बैस जी से सौजन्य मुलाकात कर उन्हे महाराष्ट्र राज्य के राज्यपाल बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुलाकात के दौरान टीम कैट ने कहा कि मुम्बई देश की आर्थिक राजधानी है, साथ ही फिल्म उद्योग है। देश के आर्थिक नगरी होने के कारण प्रदेश के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों का व्यापार महाराष्ट्र राज्य से होता है। दोनों राज्यों के व्यापार एवं उद्योग के विकास के बारे में महामहिम से चर्चा की गई। महामहिम राज्यपाल प्रदेश के होने के कारण यहां के व्यापारी एवं उद्योगपति तथा छॉलीवुड उनसे अपेक्षित है। महामहिम ने प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के विकास के लिए सकारात्मक आस्वासन दिया।

महामहिम से मुलाकात में कैट सी.जी. चैप्टर के पदाधिकारी एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे :- परमानन्द जैन, सुरिन्द्रर सिंह, भरत जैन, प्रीतपाल सिंह बग्गा, जयराम कुकरेजा, महेन्द्र कुमार बागरोडिया, मोहन वर्ल्यानी, अनिल केवलानी, रमेश खोडियार, मोहित अठवानी एवं राजेश बिहानी आदि।

ब्रह्माकुमारीज ने शिव अवतरण से स्वर्णिम भारत विषय पर आयोजित की संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हरिद्वार के देवपुरा चौक स्थित ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण उपलक्ष्य में अनुभूति धाम पर 'शिव अवतरण से स्वर्णिम भारत 'विषय पर एक संगोष्ठी राजयोगिनी बीके मंजू की अध्यक्षता व राजयोगिनी बीके सोनिया के संचालन में आयोजित की गई।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि हरियाणा से आए ब्रह्माकुमार मदन भाई ने ईश्वरीय वाणी के हवाले से कहा कि हमे अपनी सद्कर्मो की स्पीड बढाकर रखनी है तभी हम ईश्वरीय सेवा कार्यो में सफल हो सकते है।उन्होंने माना कि शिव अवतरण से ही स्वर्णिम भारत की ओर हम बढ़ पा रहे है।जिसमे ब्रह्माकुमारीज संस्थान का विशेष योगदान है।विशिष्ट अतिथि विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलसचिव एवं साहित्यकार श्रीगोपालनारसन ने कहा कि ईश्वरीय वाणी को हम जितनी बार पढ़ेंगे और उसकी धारणा करेंगे उतना ही हम परमात्मा शिव की याद का अनुभव कर सकते है।उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था के प्रति देश दुनिया मे बढ़ते जनविश्वास को एक उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ब्रह्माकुमारीज के प्रति गहरा विश्वास जताते हुए जलजन अभियान का जिम्मा इस संस्था को सौंपा है,जो आध्यात्म के माध्यम से जल संरक्षण व जल संवर्धन में अपनी योगदान कर रही है।देहरादून के भाजपा प्रवक्ता सत्येंद्र नेगी ने ब्रह्माकुमारीज के ईश्वरीय ज्ञान व सेवा की तारीफकी।राजयोगिनी बीके मंजू ने कहा कि परमात्मा शिव द्वारा रचित इस यज्ञ के द्वारा ही स्वर्णिम भारत की ओर हम बढ़ने में सफल हुए है।उन्होंने प्रेरक कहानियों के माध्यम से भाई बहनों को सदसन्देश दिया।वही हरिद्वार केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके मीना ने ब्रह्माकुमारीज की उपलब्धियों का स्मरण कराते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्था हरिद्वार के साधू संतो की सेवा में सदैव अग्रणी रही है।जिसका श्रेय प्रेम बहन को जाता है,जिनके अव्यक्त होने पर भी उनकी यादे सदा हमारे साथ है।ब्रह्माकुमार सुशील भाई ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज बहनों व संस्था के सभी भाई बहनों के पुरुषार्थ व सेवा से ही देवपुरा सेवा केंद्र का भवन भव्य व दिव्य बन पाया है।जिसे निहारने मात्र से रूहानियत झलकती है। इस अवसर पर अतिथियों का शाल ओढ़ाकर व बुके देंकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई बहन मौजूद रहे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

तीन नियम...

1 हम अपने बड़ों से माफी मांग लेते हैं, पर अकसर अपने छोटों से माफी मांगना हमें जरूरी नहीं लगता। अपने छोटों से रिश्ता रखते समय हम यह जरूरी बात भूल जाते हैं। लेखिका जे मिलबर्न कहती हैं, 'हम जब अपने बच्चे से किसी गलती की माफी मांगते हैं, तब दुनिया को बदल रहे होते हैं। अगर हम बच्चों के साथ करुणा और सम्मान से पेश आते हैं, तो वे भी आगे चलकर दूसरों से भी उसी तरह पेश आना सीखते हैं।'

2 हम अटके रहते हैं, क्योंकि जिन कामों को किए जाने की जरूरत है, उसके लिए हम इंतजार ही करते रहते हैं। हमें लगता है कि अभी हम भावनात्मक रूप से उसके लिए तैयार नहीं है। लेखिका बारबरा बोरो कहती हैं, 'काम शुरू करने के लिए अपनी भावनाओं को बदलने का इंतजार न करें। काम करना शुरू करें, भावनाएं अपने आप बदलने लगती हैं।'

3 कोई हमारे कहे या किए हुए पर सवाल करता है तो हमें अच्छा नहीं लगता। हम गुस्सा हो जाते हैं या फिर अपना बचाव करने लगते हैं। तब हम यह नहीं सोच पाते कि हो सकता है कि वह व्यक्ति सच में हमें बेहतर समझना चाहता हो। हम खुद को लेकर ही असुरक्षित होते हैं। वियतनामी बौद्ध गुरु तिक न्यात हन्न ने कहा था, 'प्यार में हम दूसरों को समझने की कोशिश करते हैं, अगर आपसी समझ नहीं है तो रिश्ते में प्यार भी नहीं है।'

सबका साथ पाने की चाहत छोड़ें

हम सबको खुश रखने की कोशिश करते हैं। दूसरों का साथ पाने की हमारी चाहत इतनी बढ़ जाती है कि हमें अपनी खुशी की परवाह ही नहीं रहती। पर, कभी तो यह समझना ही पड़ता है कि अब उन लोगों से दूर होने का समय आ गया है, जो आपको प्यार नहीं करते।

संभव है कि यह आपके जीवन का सबसे कठिन समय हो और यह भी संभव है कि आपके लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भी हो। ऐसी स्थिति में क्या करें, उन लोगों से प्यार करना बंद कर दें, जो आपके प्यार को समझने के लिए तैयार नहीं हैं या उन लोगों को समझाना बंद कर दें, जो खुद को बदलना नहीं चाहते हैं। हम चाहते हैं कि सब हमारे साथ रहें, पर ऐसा हो नहीं पाता।

दरअसल, वैसे लोगों के सामने कुछ भी न करें, जो आपकी उपस्थिति को लेकर उदासीन हैं। उन लोगों को प्राथमिकता न दें, जो आपको इस्तेमाल करते हैं। उन लोगों को प्यार न करें, जो आपको प्यार नहीं करते हैं।

मैं जानती हूं कि कुछ लोगों के लिए ऐसा करना मुश्किल होता है। क्योंकि, सबको प्यार करना कुछ लोगों की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। ऐसे में आप वहीं करेंगे, जो आप करना जानते हैं। लेकिन, यह केवल आपका ऐसा जोश है, जो आपका समय, ऊर्जा और कोशिशों को खत्म कर देता है।

कई बार जब आप जीवन को अपनी खुशी, इच्छा और किसी खास उद्देश्य की नजर से देखना आरंभ करते हैं, तो आपको वहां अपने साथ कोई खड़ा नहीं मिलता। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आपको अपने अंदर बदलाव करने की जरूरत है। बल्कि, जरूरत इस बात की है कि आप उन लोगों के प्रति अपने व्यवहार को सीमित करें, जो आपके स्नेह के लायक नहीं हैं।

> समय सीमित है। पर, ऊर्जा उससे भी अधिक सीमित है। हमें अपनी ऊर्जा सही लोगों और सही काम पर ही खर्च करनी चाहिए।

आपने जिन लोगों के साथ जीवन में सबसे अधिक समय बिताया है, अगर वे आपको छोड़ दें, आपका अपमान करें या फिर आपको अपने जीवन से बाहर कर दें, पर आप तब भी उन्हीं के लिए अपनी कोशिशें करते रहें, उनसे प्यार पाने की लालसा रखें तो कहीं-न-कहीं आप अपना सम्मान नहीं कर रहे हैं। यह समझना जरूरी है कि आप हर किसी के लिए नहीं है और हर कोई आपके योग्य नहीं है।

अपने लिए भी है आपकी जिम्मेदारी

इस ग्रह पर अरबों लोग हैं और उनमें से कई लोगों से आपका मिलना होता है। उनमें से कुछ आपकी ओर आकर्षित होते हैं। आपसे जुड़े रहते हैं। आपके लिए हर वह पल खास है, जब आपको उन लोगों का साथ मिलता है, जिन्हें आप प्यार करते हैं, जिनसे आपकी दोस्ती है। यह बेशकीमती इसलिए है कि बहुत लोगों को रिश्तों में अकसर मायूसी हाथ लगती है।

यह सही है कि हमें एक-दूसरे तक अपना प्यार पहुंचाना चाहिए। पर, जितने लंबे समय तक आप ऐसे लोगों के लिए कोशिश करते हैं, जो आपके प्यार के लायक नहीं हैं, आप खुद को ही धोखा दे रहे होते हैं।

दूसरों के बारे में सोचकर जितना आप खुद को सीमित रखते हैं, रोज की मामूली बातों में खुद को खपा देते हैं, उन्हीं लोगों के लिए काम करते रह जाते हैं, जो आपको अपने अलग-अलग फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो आप खुद को उस दुनिया से दूर कर देते हैं, जिसे आप जीना चाहते हैं।

thoughtcatalog.com

अपनी ऊर्जा संभालिए

हो सकता है कि अगर आप लोगों से कम मिले-जुलें तो आपको पसंद न किया जाए। यह भी संभव है कि लोग आपको भूल जाएं। या आप कोशिश करना छोड़ दें, किसी को प्यार करना बंद कर दें तो रिश्ता ही खत्म हो जाए। पर, इसका मतलब यह नहीं है कि आपने उस रिश्ते को बर्बाद किया है। बल्कि, इसका मतलब है कि किसी रिश्ते को बनाए रखने के लिए एकमात्र चीज वह ऊर्जा थी, जिसे आप अकेले समेटे हुए थे। वह प्यार था ही नहीं, वह आपका मोह था।

हम हर दिन जिन चीजों पर अपनी ऊर्जा लगाते हैं, हमारी जिंदगी वैसा ही रूप लेने लगती है। आप जहां जितना समय देते हैं, उसी से परिभाषित होते हैं। जब आप इसे महसूस करते हैं, तब आपको समझ में आता है कि आपने अपना बहुत सारा समय बेकार की बातों, बेकार के लोगों का साथ पाने की चाहत में गुजार दिया। सबसे महत्त्वपूर्ण आपकी ऊर्जा है, जिसे आपको अन्य किसी भी चीज के मुकाबले ढंग से खर्च करना है। अपने जीवन को एक स्वर्ग की तरह बनाइए, जिसमें केवल वही लोग प्रवेश कर सकते हैं, जो एक-दूसरे की देखभाल कर सकते हैं। एक-दूसरे को सुन सकते हैं और एक-दूसरे से जुड़े रह सकते हैं।

दूसरों को बचाने की जिम्मेदारी केवल आप पर नहीं है। यह आपका काम नहीं है कि आप हर पल, हर कदम पर दूसरों को समझाएं। यह सही है कि आप चाहते हैं कि लोग आपको पसंद करें, पर उस कीमत पर नहीं, जहां आप अपनी उपेक्षा करने लगें। आप अपने भाग्य के निर्माता हैं और आपको भी दूसरों से प्यार पाने का उतना ही हक है, जितना कि आप दूसरों को करते हैं। स्वयं को अच्छे रिश्तों की ओर ले जाएं। ऐसे लोगों के साथ समय बिताएं जो आपको समझते हैं, आपके साथ रहना चाहते हैं। आप बहुत जल्दी चीजों को बदलते हुए देखेंगे।

शोध कहते हैं लेन-देन का संतुलन जरूरी

कहा जाता है कि रिश्तों में हिसाब रखना अच्छी बात नहीं होती। इससे अच्छे रिश्तों में दूरी बढ़ने लगती है, जब कोई एक हमेशा लेने में ही यकीन रखता है। किसी एक पक्ष का लंबे समय तक अपने हिस्से की जिम्मेदारियों को पूरा करने से बचना, दूसरों के कामों का श्रेय लेते रहना, रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर देते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग के जे ल्यूकास थर्मर और उनकी टीम के एक अध्ययन के अनुसार, रिश्तों में लेन-देन का संतुलन इतना जरूरी है कि यह मनुष्य जाति की सफलता का आधार है। साइकोलॉजी टुडे में दिए गए इस अध्ययन के अनुसार, ऐसे किसी भी काम में जहां टीम भावना जरूरी होती है, वहां किसी एक कमजोर कड़ी का होना नतीजों पर असर डाल देता है, फिर चाहे खेल हो या फिर ऑपरेशन।

आपसी रिश्तों में अगर कोई एक मदद करना चाहता है, पर कर नहीं पा रहा है तो यह एक बात है। पर, अगर कोई काम करना ही नहीं चाहता है तो यह दूसरे सदस्यों को अच्छा नहीं लगता। इसी तरह अगर किसी को उपहार देने के लिए सब लोगों से राशि जमा की जा रही है। और कोई है, जो समर्थ होने के बावजूद भी राशि जमा करने से बचता है या दूसरों से ली गई राशि को लौटाने से बचता है, तब उस व्यक्ति की मंशा और स्वार्थीपने पर सवाल उठने लगते हैं।

इसका अर्थ यह भी है कि काम की सफलता के लिए टीम बनाते समय एक लीडर को अपने सदस्यों को एक-दूसरे की मदद करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। रिश्ता कोई भी हो, लंबे समय तक तभी चलता है जब दोनों पक्ष एक-दूसरे का गलत फायदा नहीं उठाते।

रुबीना दिलैक ने रिवीलिंग सूट पहने फ्लॉन्ट किया हाई क्लीवेज

कैमरे के सामने दिए हॉट पोज

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से एक बार फिर से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में रुबीना दिलैक की बेबाकी थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में रुबीना दिलैक ने ब्रा के साथ इतनी छोटी स्कर्ट पहनी हुई है जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने झुकझुक कर पोज दिए हैं। ओपन हेयर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। अभिनेत्री के इस लुक को देख कर फैंस की आखें फटी की फटी रह गई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में रुबीना अपनी परफेक्ट बॉडी फ्लॉन्ट करते दिखीं। एक्ट्रेस इतनी ग्लैमरस लग रही थीं कि उनकी तस्वीरों से नजरें हटा पाना मुश्किल हो गया था। फोटोज में रुबीना की इतनी ज्यादा रिवीलिंग ब्रा पहनी हुई है कि कैमरे के सामने वो डीप नेक फ्लॉन्ट कर रही हैं।

गलत सोच से बाहर निकलना जरूरी

> सफलता की सबकी परिभाषा अलग होती है। आप अपनी सरल और सादी जिंदगी से खुश हैं तो दूसरों की सोच की चिंता न करें।

कठिन हालातों के बीच कई दफा मन में ऐसे विचार जड़ें बना लेते हैं, जो जिंदगी को कड़वाहट से भर देते हैं। ये टॉक्सिक विचार हमें खुशियों से दूर कर देते हैं। हम सही मायनों में आगे बढ़ सकें, इसके लिए अपने विचारों को फिल्टर करते रहना जरूरी है।

मेरा साथ कोई नहीं देगा

जिंदगी सीधी रेखा में नहीं चलती। कई बार जिन्हें आप सबसे अधिक प्रेम करते हैं, वे हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। कुछ लोग जिनसे आपको उम्मीदें थी, वे जरूरत के समय मुंह मोड़ लेते हैं। या फिर, सही मंशा होने के बावजूद, लोग आपको नहीं, दूसरों को पसंद करते हैं। पर, इसका मतलब यह नहीं कि रिश्तों में अकेलापन और धोखा मिलना ही आपकी नियति है।

लेखिका ल्यूमिनिटा सेव्यूक कहती हैं, 'बीते समय के रिश्तों की कड़वाहट जब हावी होती है, तब हम लोगों को अपने करीब नहीं आने देते। हर रिश्ते को शक से देखते हैं या दूसरों का साथ पाने के लिए, उन्हें खुश करने के लिए खुद को दबाते चले जाते हैं। छोटी-छोटी बातों में भी खुद को उपेक्षित और असुरक्षित महसूस करने लगते हैं।' रिश्तों से जुड़ी अपनी सोच ठीक करने के लिए जरूरी है कि आप खुद को समझें। अपनी भावनाओं के प्रति सजग बनें। रिश्ते खत्म होने के कई कारण हो सकते हैं, पर अंत में यह बात खुशी देती है कि रिश्तों को बचाने के लिए आप जो भी कर सकते थे, वह आपने किया।

मैं योग्य नहीं हूं

यह मानना कि हम योग्य नहीं है, हमारे फैसलों को बुरी तरह प्रभावित करता है। पहले जो दुख मिला, वह आगे न हो, यह सोचकर हम कोशिश करने से ही बचने लगते हैं। बात अच्छे संस्थान में पढ़ाई की हो, अच्छी नौकरी की हो या फिर मनपसंद लोगों का साथ पाने की, खुद को नाकाबिल मानते रहना, सही फैसले लेने से रोक देता है।

हो सकता है कि आप पहले नाकामयाब रहे हों या फिर दूसरों ने आपका साथ न दिया हो। पर, हमेशा ऐसा ही नहीं होगा। हालात बदलते हैं, लोग बदलते हैं। यहां तक कि समय के साथ हम भी इवॉल्व करते हैं। यह देखना जरूरी है कि कहीं हमारे विचार हमें उस दिशा में जाने से तो नहीं रोक रहें, जहां हम जाना चाहते हैं। पहले हमें खुद को अपनी पसंद के योग्य समझना होगा। इसके लिए बाहर से ज्यादा भीतर बदलाव करने की जरूरत होती है।

हार मानना गलत है

हम सभी जीतना चाहते है, क्योंकि हमें यही सिखाया गया है। हार और हारने वाले को पसंद नहीं किया जाता। यही वजह है हम खुद को पीछे हटने की अनुमति नहीं देते। हम खुद को खपाते चले जाते हैं। हमें जो पसंद है, उसके लिए मेहतन करना एक बात है, पर इच्छा नहीं होने भी काम करते रहना, सही नहीं। यहां तक कि हम अपनी सेहत और अपनो की भावनाओं की परवाह भी नहीं करते। काम हो, नौकरी हो या फिर रिश्ते, अगर आप ढंग से सो नहीं पा रहे हैं, हर समय तनाव में रहते हैं तो कुछ समय के लिए रुकना या पीछे हट जाना ही बेहतर होता है। कितना ही आगे निकल जाएं, पर गलत दिशा में बढ़ते रहने से नुकसान ही होता है।

पूनम जैन

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कलेक्टर के निर्देश पर कमला नेहरू पार्क की बदल रही सूरत

रायगढ़। रायगढ़ के चक्रधर नगर चौक में स्थित शहर के प्रमुख सैरगाह कमला नेहरू पार्क की सूरत अब बदलने लगी है। दीवारों पर नया रंग हो रहा है। पाथवे की साफ-सफाई और टूट-फूट की मरम्मत शुरू हो गई है। जल्द ही इस पार्क की नई तस्वीर लोगों के सामने होगी। दरअसल कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देश के बाद जिंदल प्रबंधन ने कमला नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि कमला नेहरू पार्क में रोजाना काफी तादात में शहरवासी सुबह और शाम की सैर,कसरत और योगाभ्यास के लिए पहुंचते हैं। बच्चे भी यहां बड़ी संख्या में खेलने के लिए आते हैं। इतवार को यह पार्क पूरे दिन गुलजार रहता है। ऐसे में यहां लोगों की सुविधा के लिए तमाम जरूरी सुविधाओं के साथ एक साफ-सुथरा परिसर हो इस उद्देश्य से कलेक्टर श्री सिन्हा ने पहल करते हुए जिंदल उद्योग प्रबंधन को पार्क के मरम्मत के लिए निर्देशित किया है। जिसके पश्चात यहां काम शुरू कर दिया गया है। जिससे अब पार्क नए रूप में दिखना शुरू हो रहा है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने जिले में पदस्थापना के साथ एक ओर जहां प्रशासनिक कसावट के लिए निरंतर विभागों की समीक्षा कर कार्यों को बेहतर करने अधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जिले में अधोसंरचनात्मक विकास को भी लगातार गति दे रहे हैं।

बस्तर परिवहन संघ के चुनाव में प्रदीप पाठक अध्यक्ष पद के लिए चुने गए

जगदलपुर। बस्तर परिवहन संघ के चुनाव में शनिवार की सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान हुआ। शाम छह बजे के बाद मतगणना शुरू की गई। चुनाव में एकता एवं अपना पैनल के बीच मुकाबला था। परिवहन संघ के वैध 2182 मतदाताओं में से एक हजार 1472 ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, इस तरह 67 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के बाद बीती रात 02 बजे घोषित नतीजों में अपना पैनल के प्रत्याशियों ने सभी पदों पर जीत दर्ज की है, जिसमें प्रदीप पाठक अध्यक्ष पद के लिए चुने गए हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अमरजीत सिंह रियार को हराया। उपाध्यक्ष के 02 पदों के लिए क्रमश: भूपेंद्र सिंह झज्ज एवं विनोद त्रिपाठी विजयी रहे। सचिव पद के लिए आधी रात के बाद रिकाउंटिंग की गई जिसमें रात 02 बजे महेन्द्र सिंह नयन को 06 वोटों से विजेता घोषित किया गया। सहसचिव के 02 पदों के लिए क्रमश: जितेन्द्र यादव एवं कमलेश्वर साहा विजयी रहे। कोषाध्यक्ष पद पर पपेंद्र सिंह पाल विजयी रहे। अंतिम परिणाम जारी होते ही बस्तर परिवहन संघ कार्यालय के सामने आतिशबाजी और मिठाईयां खिलाने का दौर चलता रहा। बस्तर परिवहन संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप पाठक ने कहा कि परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोग काफी परेशानी झेल रहे हैं, गाडियों को ज्यादा से ज्यादा काम मिले और संघ के सदस्यों को इसका लाभ हो इसी उद्देश्य से काम किया जाएगा। साथ ही परिवहन व्यवसाय की व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए आवश्यक फैसले लिए जाएंगे।

संत निरंकारी मंडल ने साफ किया सर्वमंगला घाट को

कोरबा। अमृत प्रोजेक्ट के अंतर्गत विभिन्न नदियों को शामिल करने के साथ वहां के घाटों की साफ सफाई के लिए कामकाज किया जा रहा है। कोरबा जिले के हसदेव नदी स्थित सर्वमंगला घाट की सफाई इस कड़ी में संत निरंकारी मंडल की इकाई ने की। सरकार के द्वारा नदी संरक्षण के लिए अमृत प्रोजेक्ट लांच किया गया है और इसके अंतर्गत कई प्रकार के कार्यों को शामिल करने के साथ बढ़ावा दिया जा रहा है। कई संस्थाएं भी इस काम में सक्रियता के साथ लगी हुई है। कोरबा में जीवनदायिनी नदी के सर्वमंगला घाट पर रविवार को संत निरंकारी मंडल के सेवादार उपस्थित हुए और आसपास के इलाके की सफाई की। प्लास्टिक के अलावा अपशिष्ट और अन्य सामान यहां से हटाने की कार्रवाई की गई। निरंकारी मंडल के कार्यकर्ता सहित जनसेवा में रुचि रखने वाले लोग यहां पर शामिल हुए। मंडल के स्थानीय प्रमुख हर स्वरूप अग्रवाल ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से नदियों के घाटों को साफकरने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान को निरंतर चलाने पर हमारा फोकस है। इसके अलावा विदेशों में भी हमारे मंडल के द्वारा स्वच्छ जल स्वच्छ मन मन की अवधारणा के अंतर्गत अपने उत्तरदायित्व की पूर्ति की जा रही है।

अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- योजना राष्ट्रहित में, फैसले में दखल की वजह नहीं दिखती

नई दिल्ली। अग्निपथ स्कीम को 14 जून, 2022 को पेश किया गया था। इसके तहत आर्म्ड फोर्सेज में युवाओं का भर्ती किए जाने के नए नियम बताए गए थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अग्निपथ स्कीम को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा- अग्निपथ योजना सेना की बेहतरी और राष्ट्रहित में लिया गया फैसला है। इसलिए सरकार के फैसले में कोर्ट के दखल देने की कोई वजह नहीं दिखती।

15 दिसंबर 2022 को कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं और केंद्र सरकार की दलीलें सुनने का बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला सुरक्षित रखते हुए कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर किसी को कोई आपत्ति है तो वो अपनी लिखित दलीलें दाखिल करें। चीफजस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच मामले की सुनवाई कर रही थी, इसमें जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद भी शामिल थे।

14 जून 2022 को पेश हुई थी अग्निवीर स्कीम

अग्निपथ स्कीम को 14 जून, 2022 को पेश किया गया था। इस स्कीम के तहत आर्म्ड फोर्सेज में युवाओं का भर्ती किए जाने के नए नियम बताए गए थे। इन नियमों के मुताबिक, साढे 17 साल से लेकर 21 साल तक की उम्र के युवा ही इसमें अप्लाय कर पाएंगे और उन्हें चार साल के लिए भर्ती किया जाएगा। सरकार ने यह कदम तनख्वाह और पेंशन का बजट कम करने के लिए उठाया था। भर्ती किए गए लोगों में से 25त्न को नियमित सर्विस के लिए चुना जाएगा।

इस स्कीम की घोषणा होने के बाद देश के कई हिस्सों में युवाओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। इस दौरान कई जगह उपद्रव भी देखने को मिला। इन्हें देखते हुए सरकार ने भर्ती होने के लिए उम्र की सीमा को बढ़ाकर 21 से 23 साल कर दिया।

सरकार ने कहा- हमने अच्छी भावना के साथ काम किया

दिल्ली हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल कर इस स्कीम पर रोक लगाने की मांग की गई थी। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (स्त्र) ऐश्वर्य भाटी और केंद्र सरकार के वकील हरीश वैद्यनाथन ने केंद्र की तरफ से कहा था कि अग्निपथ स्कीम डिफेंस रिक्रूटमेंट में हुए सबसे बड़े नीतिगत बदलावों में से एक है और इससे सेना में भर्ती की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आने वाला है। उन्होंने कहा था कि उम्र सीमा में दो साल की छूट दी गई है, जिसका फायदा 10 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने उठाया है। उन्होंने कहा कि हम हलफनामे में सब कुछ नहीं दे सकते हैं, लेकिन यह निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि हमने अच्छी और सच्ची भावना के साथ काम किया। कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दिसंबर 2022 में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

रायपुर में प्लेसमेंट कैंप कल, 12 वीं पास छात्रों के लिए है नौकरी का मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप 28 फरवरी को जिला रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर रायपुर में लगाया जाएगा। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक इच्छुक अभ्यर्थी शामिल होकर कैंप का लाभ ले सकते हैं। जिला रोजगार विभाग के उप संचालक ने बताया कि प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से विश्वभारती आटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड एवं बजाज फायनेंस रायपुर द्वारा सेल्स एक्सीक्यूटिव टेलीकालर, इंश्योरेंस एक्सीक्यूटिव एचआरई, सर्विस एडवायजर एवं सेल्स आफिसर (बजाज फायनेंस डिजिटल पार्टनर) आदि के 59 पदों पर भर्ती की जाएगी।

इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता 12वीं, किसी भी संकाय में स्नातक एव बीई मैकेनिकल उत्तीर्ण रखी गई है। चयनित आवेदकों की भर्ती पर उन्हें 8 से 14 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। प्लेसमेंट कैंप में सम्मिलित होने के लिए योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने साथ शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता, अनुभव प्रमाण-पत्र, बायोडाटा के साथ उपस्थित हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते हैं।

मनरेगा से बने कुएं से खेती कर बढ़ाया मुनाफा : धान के अलावा सब्जियों की कर रहे खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। विकासखण्ड कोटा के सेमरिया निवासी श्री विजय कुमार का जीवन संवर गया है। महात्मा गांधी नरेगा के तहत उनके भूमि पर हुए कूप निर्माण से उनकी भूमि अब लह-लहा रही है। श्री विजय की आर्थिक स्थिति के साथ-साथ उनकी बंजर भूमि भी उपजाऊ हो चुकी है। वे धान के अलावा सब्जियों की खेती कर अपने पूरे परिवार का भरण-पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा पूरी करने में भी सशक्त हो गए है।

सेमरिया के किसान श्री विजय कुमार बताते हैं कि उनके पास 3 एकड़ कृषि भूमि है। बरसाती पानी पर निर्भर रहते हुए केवल धान की खेती किया करते थे। कम बारिश के कारण धान की पैदावार पर भी फर्क पड़ता था। 3 एकड़ की भूमि पर केवल 15 से 20 क्विंटल धान की पैदावार हो पाती थी। आय का कोई और साधन नहीं था, जिससे परिवार का गुजारा जैसे-तैसे हो रहा था। रोजगार सहायक श्री गयाराम प्रसाद जगत ने उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए कृषि भूमि पर कुआं निर्माण करवाने का सुझाव दिया। श्री विजय ने कुआं निर्माण के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन दिया। महात्मा गांधी नरेगा के तहत कृषि भूमि पर कुआं निर्माण का कार्य तकनीकी सहायक के मार्गदर्शन में शुरू किया गया। अब उनकी 3 एकड़ की कृषि भूमि के लिए कुएं का पानी पर्याप्त है। उन्हें बारिश के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। पर्याप्त पानी मिलने से पैदावार भी अब बढ़कर 40 क्विंटल हो गई है। जिसे बेचकर अब वे आय के एक बड़े हिस्से की बचत कर पा रहे हैं। श्री विजय बताते हैं कि धान की फसल के अलावा अब वे अपने खेत में सब्जियों का भी उत्पादन कर रहे हैं। उनका पूरा परिवार इस कार्य में जुड़ा है और वे सब्जियों की खेती कर अच्छा मुनाफा कमा रहे है। अब वे परिवार का भरण पोषण अच्छे से कर पा रहे है।

मुख्यमंत्री मितान योजना से 5 साल तक के बच्चों को मिल रहा घर पहुंच आधार कार्ड की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र में अब बच्चों का आधार कार्ड घर बैठे मिल रहा है। यह सुविधा मुख्यमंत्री मितान योजना के तहत दी जा रही है जो केवल पांच साल तक के बच्चों के लिए उपलब्ध होगी।

अंबिकापुर नगर निगम के गंगापुर में रहने वाले अजय सेबेस्टीन ने अपनी 6 माह की पुत्री ईना सेबेस्टीन केआधार कार्ड बनवाने कि लिए मितान कॉल सेंटर में कॉल करके अपॉइंटमेंट बुक किया।इसके पश्चात मितान घर आकर उनकी पुत्री ईना का आधार कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेज एकत्र करके चली गई। दो दिन कि बाद उनके घर जाकर आधार कार्ड प्रदान किया गया। श्री अजयसेबेस्टियन ने बताया की 14545 में कॉल करके मैंने अपनी पुत्री का आधार कार्ड बनवाया।छत्तीसगढ़ सरकार की मितान महत्वाकांक्षी योजना से मुझे समय और पैसे दोनोंकी बचत हुई। घर पहुँच सेवा मिल जाने से मुझे बहुत खुशी हुई। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए मैं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूँ। निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई ने बताया कि नागरिकों को आवश्यक सेवायें घर पर ही उपलब्ध कराने के लिये मुख्यमंत्री मितान योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत अब तक कुल 3 हज़ार 302हितग्राहियों का प्रमाण पत्र बनाकर घर पहुँच सुविधा प्रदान किया गया है। इस योजना केतहत अब 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार मितान के जरिए घर-घर जाकर बनायाजाएगा। टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल कर अपनी सुविधानुसार ग्राहक द्वारा अपॉइंटमेंट बुककिया जा सकता है। मितान कॉल सेंटर सुबह 8 बजे से शाम को 8 बजे तक सातों दिन खुला रहता है। आवेदक के बताए तारीख पर मितान बच्चे का आधार पंजीकरण करनेआएंगे।

कमला नेहरू पार्क की बदल रही सूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ के चक्रधर नगर चौक में स्थित शहर के प्रमुख सैरगाह कमला नेहरू पार्क की सूरत अब बदलने लगी है। दीवारों पर नया रंग हो रहा है। पाथवे की साफ-सफाई और टूट-फूट की मरम्मत शुरू हो गई है। जल्द ही इस पार्क की नई तस्वीर लोगों के सामने होगी। दरअसल कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देश के बाद जिंदल प्रबंधन ने कमला नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि कमला नेहरू पार्क में रोजाना काफी तादात में शहरवासी सुबह और शाम की सैर,कसरत और योगाभ्यास के लिए पहुंचते हैं। बच्चे भी यहां बड़ी संख्या में खेलने के लिए आते हैं। इतवार को यह पार्क पूरे दिन गुलजार रहता है। ऐसे में यहां लोगों की सुविधा के लिए तमाम जरूरी सुविधाओं के साथ एक साफ-सुथरा परिसर हो इस उद्देश्य से कलेक्टर श्री सिन्हा ने पहल करते हुए जिंदल उद्योग प्रबंधन को पार्क के मरम्मत के लिए निर्देशित किया है। जिसके पश्चात यहां काम शुरू कर दिया गया है। जिससे अब पार्क नए रूप में दिखना शुरू हो रहा है। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने जिले में पदस्थापना के साथ एक ओर जहां प्रशासनिक कसावट के लिए निरंतर विभागों की समीक्षा कर कार्यों को बेहतर करने अधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जिले में अधोसंरचनात्मक विकास को भी लगातार गति दे रहे हैं।

नामांतरण, बटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण शिविर लगाकर करने के दिए निर्देश

प्राथमिकता से करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने आज कलेक्टोटर सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर सिंह ने कहा कि राजस्व के कार्य महत्वपूर्ण है, इस पर विशेष ध्यान देते हुए नामांतरण, बटवारा, सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। उन्होंने सभी एसडीएम को राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर में शामिल होने के लिए कहा तथा फिल्ड में जाकर दौरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अभियान चलाकर युद्ध स्तर पर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि जाति प्रमाण पत्र का कार्य लंबित न रहें। जिले मे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र बनाने का कार्य शीघ्र करें और इसके लिए एक व्यवस्था विकसित करें। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के भेंट मुलाकात कार्यक्रम की घोषण एवं मांग पर अमल करते हुए शीघ्रता से इस कार्य को पूरा करें। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं को प्रब्याजी 10 प्रतिशत राशि भू-आबंटन करने के निर्देश दिए। चिटफण्ड कंपनी के निवेशकों को भुगतान हेतु सत्यापन के कार्य में तेजी लाएं। शासकीय भूमि का आबंटन शासकीय विभागों के लिए किया जाना है। ऐसे चिन्हांकित शासकीय भूमि के क्लीयर होने पर अग्रिम आधिपत्य दें। उन्होंने अधिकारियों से गौठान मेला के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर श्री सिंह ने अतिवृष्टि एवं अल्पवृष्टि के कारण हुई क्षति तथा आरबीसी 6-4 के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। आयुष्मान कार्ड के लिए सभी अधिकारी अपने भ्रमण के दौरान निरीक्षण करें। लोक सेवा केन्द्र का भी निरीक्षण करें। उन्होंने चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत आवश्यक तैयारी करने के निर्देश एसडीएम को दिए।

उन्होंने कहा कि जिस मार्ग के पदयात्री जाते हैं, उनके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु ग्रामवासियों, स्वयंसेवी संस्था सहित जनसामान्य को शामिल करें। कलेक्टर श्री सिंह ने चारागाह वन अधिकार पत्र, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, मसाहती-असर्वेक्षित ग्रामों के राजस्व सर्वेक्षण की प्रगति, अविवादित नामांतरण की जानकारी, न्यायालयवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा रिपोर्ट, अविवादित खाता विभाजन-बटवारा की जानकारी, भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों की स्थिति, भू-अर्जन प्रकरणों में मुआवजा भुगतान की स्थिति, नगरीय क्षेत्रामें 7500 वर्गफीट तक अतिक्रमित शासकीय नजूल भूमि का आबंटन, नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमित शासकीय भूमि का व्यवस्थापन, ई-कोर्ट की जानकारी, डिजिटल हस्ताक्षर से हस्ताक्षरित खसरों की संख्या व प्रतिशत, भूईयां सॉफ्टवेयर में अभिलेख शुद्धता की जानकारी, आदिवासी भूमि बिक्री मंजूरी के प्रकरण, वृक्ष कटाई हेतु अनुमति, मौसम रबी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत औसत उपज का ऑनलाईन एण्ट्री की प्रगति, राजीव युवा मितान क्लबों की स्थापना एवं अवैध निर्माण का नियमितिकरण की समीक्षा की। इस अवसर पर एसडीएम अरूण वर्मा, संयुक्त कलेकअर अभिषेक गुप्ता सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

शिवनाथ में डूबने 12 साल के बच्चे की मौत, दोस्तों के साथ घूमने गया था एनिकटज नहाने के दौरान हुआ हादसा

दुर्ग। शिवनाथ नदी के महमरा एनिकट पर रविवार को नहाने के दौरान 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा अपने दोस्तों के साथ घूमने गया था और इस दौरान सभी नहाने उतर गए। नहाने के दौरान बच्चा गहराई में चला गया और डूब गया। इसके बाद साथ आए बच्चे ने शोर मचाया तो स्थानीय गोताखोरों की मदद से बच्चे का शव निकाला गया। शव को मरच्यूरी में रखवा दिया गया। सोमवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार सिंधिया नगर निवासी अहिल सिंह अपने तीन दोस्तों के साथ महमरा एनिकट के पास घूमने गया था। इस दौरान सभी दोस्त नहाने नदी में उतरे। इस दौरान अहिल सिंह अचानक डूब गया। साथी दोस्तों के शोर मचाने पर स्थानीय मछुआरों ने अहिल को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उसे इलाज के लिए दुर्ग जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना परिजनों को दी गई। कोतवाली थाना पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

बेटी को बचाने जंगली सूअर से भिड़ी महिला की मौत, सूअर की भी गई जान

कोरबा। काली मिट्टी की खोदाई कर रही महिला व उसकी 11 साल की बेटी पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। बेटी को बचाने महिला जान की परवाह किए बिना सूअर से भिड़ गई। सूअर का दांत महिला के पेट में घुस गया और वह बुरी तरह जख्मी हो गई। इसके बाद भी वह लड़ती रही। संघर्ष में महिला और सूअर दोनों की जान चली गई। घटना के बाद से बच्ची डरी हुई है, उसे भी अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा के वनांचल ग्राम तेलियामार निवासी दुवशिया बाई अपनी 11 साल की पुत्री रिंकी के साथ जंगल में काली मिट्टी निकालने गई थी। इस दौरान अचानक एक जंगली सूअर ने उसकी बेटी पर हमला कर दिया। यह देख दुवशिया बाई सूअर से जा भिड़ गई। इस बीच महिला के पेट सुअर का नुकीला दांत महिला के पेट में जा घुसा। इसके बाद भी वह अंत तक लड़ती रही। आखिरकार इस संघर्ष में दोनों की मौत हो गई।

फिल्मी स्टाइल में महिला की हत्या, पति ने भतीजों के साथ मिलकर किया कांड, पुलिस को बताया एक्सीडेंट में हुई मौत

जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र का मामला, चरित्र पर शंका करती पत्नी, रोज होता था पति-पत्नी में विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में महिला की हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस हत्या का मुख्य आरोपी महिला का पति ही है जिसमें अपने दो भतीजों के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। आरोपी पति अपने भतीजों के साथ अपनी पत्नी को कार से लेकर जाता है और घाटी में कार को खाई में ढकेल कर भतीजों के साथ कूद जाता है। यह देख पत्नी भी कार से बाहर कूद जाती है। कार गहरी खाई में गिर जाता है। पत्नी को मारने की यह योजना फेल होने पर पति वहीं पर पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर देता है। हत्या के बाद भतीजों के साथ मिलकर एक्सीडेंट की खबर फैला देता है। पुलिस को भी एक्सीडेंट की सूचना मिलती है और फिर इस मामले की जांच शुरू होती है। हर एंगल से जांच के बाद पुलिस को पता चलता है कि पति ने ही अपनी पत्नी की हत्या की। घटना के 15 दिन बाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति व उसके दोनों भतीजों को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल यह पूरा मामला जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र का है। बगीचा थाना क्षेत्र के पण्डरापाठ चौकी में कामरीमा निवासी संदीप यादव ने पहुंचकर अपनी चाची प्रमिला यादव की एक्सीडेंट में मौत हो जाने की जानकारी दी। संदीप यादव ने पुलिस को बताया कि प्रमिला यादव 10 फरवरी 2023 को सुबह पांच बजे पवन यादव के साथ में मारूती कार क्रमांक सीजी 04 एचए 6339 से अपने मायके ग्राम जगीमा (शंकरगढ़) जाने के लिये निकली थी। कार को पवन यादव चला रहा था। कामारिमा घाट के पास कार का ब्रेक नहीं लगा और कार का एक्सीडेंट हो गया और वह गहरी खाई में गिर गई। कार में सवार प्रमिला यादव की मौत हो गई। पुलिस ने धारा 279, 304(ए) के तहत मामला पंजीबद्ध कर शव को पीएम के लिए भेजा। पीएम रिपोर्ट के बाद हत्या की धारा जोड़ी गई।

पीएम रिपोर्ट से हुई थी हत्या की पुष्टि

पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई तो पुलिस ने जांच का एंगल बदल दिया। इसके बाद घटना स्थल की बारिकी से जांच की गई। शक के आधार पर पवन यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पूरा मामला खुला। दरअसल प्रमिला यादव अपने पति अर्जुन यादव के चरित्र पर शंका करती थी और इस बात को लेकर अक्सर दोनों में झगड़ा होता था। रोज-रोज के झगड़ों से तंग आकर अर्जुन यादव ने अपनी पत्नी की हत्या करने की योजना बनाई और अपने दो भतीजों पवन व आलोक यादव को साथ मिलाया।

पत्नी के मायके जाते समय बनाया प्लान

अर्जुन यादव ने भतीजों को बताया कि 10 फरवरी को उसकी चाची मायके जाएगी। उसे छोड़ने के बहाने घाटी में लेजाकर कार को खाई में गिरा देंगे और इसे एक्सीडेंट साबित कर देंगे। योजना के अनुसार 10 फरवरी की सुबह लगभग 4 बजे अर्जून यादव ने फोन कर पवन यादव एवं अलोक यादव को अपने पास बुलाया। प्रमिला यादव को लेकर अलोक यादव, पवन यादव और अर्जुन यादव कार में सवार होकर अपने घर से निकले।

अर्जुन यादव कार को चलाते हुये कामारिमा घाट के पास ले गया एवं वाहन को धीरे करके खाई तरफमोड़ कर वह गाड़ी से कूद गया। इसके बाद पवन यादव एवं अलोक यादव भी कूद गए। प्रमिला यादव सबको वाहन से कूदते हुए देखी तो वह भी कार से कूद गई। इसके बाद कार लगभग 25 फीट नीचे खाई में गिरकर पेड़ से टकराई। इसके बाद प्रमिला यादव वहां से भागने लगी तो अर्जुन यादव ने उसे पकड़कर खाई में कार के पास ले गया। वहां पर उससे मारपीट की और गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। इसमें दोनों भतीजों ने भी अर्जुन यादव का साथ दिया। इसके बाद पवन यादव से कहा कि गांव में फोन कर प्रमिला यादव की एक्सीडेंट में मौत होने की खबर भेज दो। घटना के बाद अर्जुन यादव तथा अलोक यादव अपने घर चले गये। पवन यादव ने फोन कर संदीप यादव को बताया, फिर संदीप यादव तथा गांव के अन्य लोग घटनास्थल पहुंचे और इसकी शिकायत दर्ज कराई। बाहरहाल पुलिस ने इस मामले में अर्जुन यादव (40)] पवन यादव (25) व अलोक यादव (28) गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

डीजीपी अशोक जुनेजा पहुंचे जगरगुंडा, जवानों का बढ़ाया हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। बस्तर क्षेत्र के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के जगरगुंडा कैंप में तैनात जवानों के बीच आज पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा पहुंचे। उन्होंने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साहस और बहादुरी की प्रशंसा की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। डीजीपी ने कहा कि नक्सलवादियों के विरूद्ध सुरक्षाबलों का अभियान निरंतर जारी रहेगा। साथ ही एडीजी सीआपीएफवितुल कुमार, एडीजी नक्सल अभियान विवेकानंद सिंहा, आईजीपी बस्तर रेंज सुन्दरराज पी, आईजीपी सीआरपीएफ साकेत सिंह, डीआईजी राजेंद्र नारायण

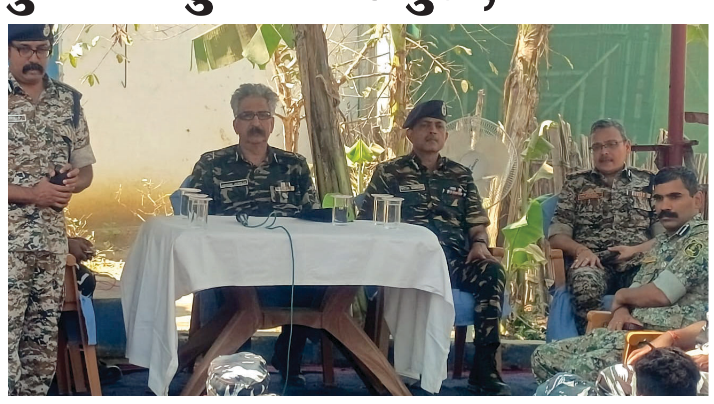

दास पुलिस मुख्यालय, डीआईजी सीआरपीएफसुनीत कुमार राय, डीआईजी दंतेवाड़ा रेंज श्री कमलोचन कश्यप, एसपी सुकमा श्री सुनील कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी जगरगुंडा पहुंचकर मुठभेड़ में शामिल अधिकारी व जवानों से मिलकर पूरी घटना क्रम की जानकारी ली।

सभी जवानो को नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान मुंहतोड़ जवाब देने और मुठभेड़ के दौरान कुछ नक्सलियों के मारे जाने और घायल होने की संभावना की जानकारी पर पुलिस पार्टी की बहादुरी के लिए पूरी टीम की प्रशंसा की। डीजीपी श्री अशोक जुनेजा ने पुलिस नक्सल मुठभेड़ में बहादुरी से लड़ते हुए शहीद होने वाले सउनि. रामूराम नाग, आरक्षक कुंजाम जोगा और आरक्षक वंजाम भीमा के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए वीर जवानों की शहादत को नमन किया। उन्होंने उनके परिजनों को शीघ्र ही अनुकंपा नियुक्ति और अन्य सुविधाएं देने का आश्वासन दिया।

50 फीट ऊंची पानी की टंकी से शादीशुदा युवती ने लगाई छलांग

- बेमेतरा की घटना, पति से विवाद के बाद मायके में रह रही थी युवती

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक लड़की शोले फिल्म के वीरू तरह टंकी पर चढ़ गई लेकिन वीरू की तरह उतरी नहीं बल्कि छलांग लगा दी। गनिमत यह रही कि लोग पहले से चादर लेकर खड़े थे जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि इसमें लड़की को काफी चोटें आई है। फिलहाल लड़की का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

घटना के सबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भोईनाभाटा निवासी रीना मार्कण्डेय (22) ने शनिवार की शाम को यह कांड किया। वह पहले तो टंकी के नीचे खड़े होकर अपने मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी और इसके बाद अचानक वह टंकी पर चढ़ गई। टंकी पर चढ़कर जोर-जोर से चिल्लाने लगी और देखते ही देखते उसने छलांग लगा दी। इससे पहले टंकी के नीचे लोग सचेत हो गए और एक चादर लेकर खड़े थे। हालांकि लोगों ने लड़की को काफी समझाया लेकिन वह नहीं मानी और कूद गई। लोगों ने चादर के सहारे उसे कैच किया। इसके बाद लड़की को काफी चोटे आई। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

2 साल पहले हुई थी शादी

पुलिस ने बताया कि रीना मार्कण्डेय की दो साल पहले धमतरी में शादी हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ही वह परेशान थी। परिजनों ने बताया कि उसका ससुराल वालों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। विवाद के कारण उसने ससुराल छोड़ दिया था और बेमेतरा में अपने माता-पिता के साथ रहने लगी थी। शनिवार शाम को वह कुर्मी पारा इलाके के कबीर कुटी के पीछे स्थिति पानी की टंकी के पास पहुंची और इस घटना को अंजाम दिया।

चादर से बची जान

लड़की ने जब टंकी पर चढ़ रही थी तो मौके पर कुछ लोग मौजूद थे। वे बार बार लड़की को मना कर रहे थे लेकिन वह नहीं मानी। इसके बाद लोगों ने समझदारी दिखाई और चादर लेकर नीचे कैच करने के लिए खड़े हो गए। लड़की कुछ देर तक चिल्लाई और उसके बाद कूद गई। लोगों ने चादर के सहारे उसे कैच किया तो चादर के साथ वह जमीन से टकराई। घायल होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना उसके माता पिता को दी गई। लड़की ऐसा क्यों किया यह स्पष्ट नहीं है। लड़की से पूछताछ के बाद ही इसका कारण पता चल पाएगा।

बदमाशों ने चार जिलों में मचाया कोहराम, पुलिस की गिरफ्त में आया गिरोह, 18 तोला सोना और 5 किलो से ज्यादा चांदी जब्त

- जांजगिर-चांपा, बिलासपुर, रायगढ़ व सक्ती में 30 से ज्यादा वारदातों को दिया अंजाम
- गिरोह सरगना सहित 6 चोर व ज्वेलरी खरीदने वाले दो व्यापारी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस ने एक ऐसा चोर गिरोह को पकड़ा है जिसने चार जिलों में कोहराम मचा रखा था। गिरोह के 8 सदस्यों को गिरफ्तार कर पुलिस ने इनके पास से 185 ग्राम सोना व 5 किलो 936 ग्राम चांदी जब्त किया है। जिसकी कीमत लगभग 14 लाख 6 हजार 750 रुपए है। यही नहीं इन बदमाशों के पास 4 लाख 13 हजार 430 लाख रुपए नगद, एक देशी कट्?टा, ताला तोड़ने के औजार और तीन मोटर साइकिलें बरामद की हैं। इस गिरोह से पुलिस ने कुल 24 लाख 30 हजार 180 रुपए का मशरुका बरामद किया है।

खासबात यह है पकड़े गए गिरोह में दो ज्वेलर्स भी हैं जो इनसे चोरी का माल खरीदते थे। इस मामले में रविवार को खुलासा किया गया। मामले का खुलासा करते हुए जांजगीर पुलिस ने बताया कि चोर गिरोह ने चार जिलों में 30 से अधिक घटनाओं को अंजाम दिया है। गिरोह का मुख्य सरगना विनोद कुमार वासुदेव है जो कि पहले मोटर सायकल चोरी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। इस गिरोह ने जांजगीर जिले में सबसे ज्याद 24 वारदातों को अंजाम दिया। इसके अलावा सक्ती में 03, रायगढ़ में 01 व बिलासपुर में 02 घटनाओं को अंजाम दिया। आरोपी चोरी के जेवर अपने घर पर महिलाओं को पहनने के लिए देते थे। कई मौके पर शादी व सगाई के लिए रखी ज्वेलरी को भी आरोपियों ने पार किया है। आरोपीगणों के कब्जे से सोने चांदी के आभूषण मिले है जिसे धारा 41(1-4)/454, 380 भादवि के तहत् जब्त किया गया है। शातिर बदमाश ज्वेलर्स को कम कीमत पर आभूषण देते थे तथा रकम को फोन पे के माध्यम से प्राप्त करते थे।

लगातार बढ़ रही चोरियों के बाद बनाई गई टीम

जांजगीर जिले में दिसंबर 2022 से लगातार बढ़ रही चोरियों को देखते हुए आरोपियों पर नजर रखी जा रही थी। यह चोरियां सूने मकानों में ज्यादा हो रही थी। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि पिसौद शराब भठ्ठी के पास कुछ व्यक्ति बैग में संदिग्ध सामान रखे है तथा शराब के नशे में चोरी करने की बात कह रहे हैं। सूचना पर थाना जांजगीर एवं विशेष टीम के द्वारा घेराबंदी कर विनोद वासुदेव, सुनील मरावी, भूपेन्द्र सिंह राठौर, संतोष, वेदप्रकाश वासुदेव एवं गंझु सिंह को हिरासत में लिया। इनके पास जो बैग मिला उसमें कांस की थाली व बर्तन रखे थे। पूछताछ करने पर इन सभी सुने मकान से चोरी करने की जानकारी दी। इन्हें थाने लाकर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो जांजगीर सहित बिलासपुर, सक्ती व रायगढ़ में भी चोरियां करने की बात बताई। गिरोह के सभी सदस्य मिलकर सूने मकानों को निशाना बनाते थे। कुछ लोग घर के अंधर घुसते और कुछ बाहर पहरेदारी करते। इस तरह एक पिछले कुछ माह में 30 से ज्यादा चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है।

चोरी की ज्वेलरी कम दाम में बेचते थे ज्वेलर्स को

आरोपियों ने बताया कि वे चोरी के जेवर प्रगति नगर दर्री के वास्तव प्रसाद सोनी एवं काशीनगर बुधवारी सीएसईबी जिला कोरबा के हरीष सोनी को बेचते थे। चोरों की निशानदेही पर दोनों ज्वेलर्स को भी गिरफ्तार कर सोने चांदी के जेवर बरामद किया गया। इस पूरी कार्रवाई में एएसपी शैलेन्द्र पाण्डेय, एएसपी चन्द्रशेखर परमा, निरीक्षक लखेश केंवट, उनि पुष्पराज साहू, गजालाल चंद्राकर, अवनीश श्रीवास, सउनि दिलीप सिंह, मुकेश पाण्डेय, रामप्रसाद बघेल, प्रआर. मनोज तिग्गा, राजकुमार चंद्रा, आरक्षक विरेन्द्र टंडन, शहबाज खान, अर्जुन यादव, चिरंजीव कमलेश, विवेक सिंह, श्रीकांत सिंह, मनीष राजपूत, संतोष रात्रे, जय उरांव, नरेंद्र वैष्णव एवं महेश राज का विशेष योगदान रहा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

श्री श्याम महोत्सव में झूमे भक्त, बाबा का श्रृंगार कर भक्ति गीतों से रिझाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। न्यू खुर्सीपार में शनिवार की रात श्याम की भक्ति में रम गया। बाबा भक्त मंडल द्वारा यहां लगातार छठवें वर्ष श्री श्याम महोत्सव का आयोजन किया गया। शाम 6 बजे से शुरू हुआ कार्यक्रम रातभर चला। सुबह तक भक्त यहां श्री श्याम की भक्ति में झूमते रहे।

फूलों की होली खेलकर श्याम के गीतों में नाचते गाते पूरी रात बिताई। कोलकाता व रायपुर से पहुंचे दिग्गज कलाकारों ने भक्ति गीतों से ऐसा समा बांधा कि भक्त मदहोश हो गए। इस दौरान बाबा का विशेष श्रृंगार भी किया गया। न्यू खुर्सीपार स्थित अग्रसेन भवन में यह भव्य आयोजन किया गया। बीते एक माह से भी ज्यादा समय से इस कार्यक्रम की तैयारियां बाबा भक्त मंडल द्वारा की जा रही थी। श्री श्याम महोत्सव के दौरान चार धाम की झांकी बनाई गई जिसमें बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान उन्हें छप्पन भोग का प्रसार भी चढ़ाया गया। छप्पन भोग के साथ ही सवामणि व श्याम रसोई का भी भोग लगाया गया। बाबा का अलौकिक श्रृंगार के साथ ही यहां अखंड जोत भी जलाई गई।

कोलकाता व रायपुर के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

श्री श्याम महोत्सव के दौरान सबसे विशेष भक्तिगीतों की प्रस्तुति का रहा। बाबा को रिझाने कोलकाता से रवि बेरिवाल व रोहित शर्मा तथा रायपुर से विनय अग्रवाल पहुंचे। तीनों कलाकारों ने अपने भक्तिगीतों की प्रस्तुति दी। रातभर भक्तिगीतों का दौर चलता रहा। भिलाई शहर के भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महोत्सव के दौरान बाबा के भक्तों के लिए भोग भंडारा भी बाबा भक्त मंडल द्वारा किया गया जिसमें कई पकवान परोसे गए।

खास - खबर

316 कैडेट्स ने दी एनसीसी बी प्रमाण पत्र प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक परीक्षा

दुर्ग। 37 सी जी एनसीसी बटालियन दुर्ग के अंतर्गत आने वाले 10 महाविद्यालय एवं 1 सी जी आर एन वी बटालियन अंजोरा के कुल 316 सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग के कैडेट्स बी प्रमाण पत्र परीक्षा में सम्मिलित हुए7 बी प्रमाण पत्र परीक्षा के प्रिसाइडिंग ऑफीसर 27 सी जी बटालियन एन सी सी रायपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप कुमार एवं 38 सी जी बटालियन एनसीसी राजनांदगांव के एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विवेक कुमार के संयुक्त मार्गदर्शन में छात्र कैडेट्स की प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक परीक्षा ली गई। संपूर्ण परीक्षा का संचालन एवं प्रबंधन 37 सी जी बटालियन एनसीसी दुर्ग कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हेमंत दुबे तथा प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल आर सेतु माधवन के द्वारा, बटालियन के सूबेदार मेजर भूपति थापा, अन्य ए एन ओज, जे सी ओ एवं एन सी ओ ज को दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार एवं बटालियन के अधीन आने वाले 10 महाविद्यालयों के एनसीसी अधिकारियों के संयुक्त सहयोग से प्रबंध व्यवस्था और परीक्षा कार्य संपन्न किया गया। सेंट थॉमस महाविद्यालय परिसर में एनसीसी कैडेट्स के बी प्रमाण पत्र परीक्षा के सफल आयोजन पर महाविद्यालय के प्रशासक रेवरेंट फादर डॉ जोशी वर्गीस एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम जी रोईमोन ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी कैडेट्स को शुभकामनाएं दी।

कबीरपंथी सोनबोईर गुरूजी ने सपत्निक किया देहदान

भिलाई। मानवता की भलाई के लिए देहदान की अनुकरणीय मिसाल कायम करने वालों में भिलाई के सोनबोईर दंपत्ति का नाम भी दर्ज हो गया है। शिक्षक नगर कोहका निवासी सेवानिवृत प्रधान पाठक महंत साहेब हेमलाल दास सोनबोईर और उनकी पत्नी श्रीमती जानकी बाई के निवास में प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के माध्यम से जारी देहदान की वसीयत जारी की गई ! मानवता की भलाई के लिए मरणोपरांत अपना मृत शरीर अध्ययन हेतु दान करने का संकल्प संकल्प लेने के पुनीत कार्य में देहदानी सोनबोईर संपत्ति के ज्येष्ठ पुत्र भूपेश सोनबोईर,पुत्रवधु कुलेश्वरी सोनबोईर एवं छोटे पुत्र देवेश सोनबोईर ने भी काउंसलिंग में शामिल होकर कितना भावनात्मक सहयोग प्रदान किया। कबीर पंथ से जुड़े सोनबोईर परिवार के मानवता से जुड़े ऐसे अनुकरणीय योगदान के दौरान प्रनाम के पवन केसवानी के अलावा प्रनाम के स्वयंसेवक राजेश वरंदानी, संजीत सोनी एवं राकेश साहू की भी विशेष सहभागिता रही। संस्था प्रनाम के द्वारा अप्रैल 2008 से देहदान व नेत्रदान हेतु लगातार अभिनव पहल की जा रही है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एसएसबी ने लगाया हेल्थ कैंप

स्वास्थ्य परीक्षण के साथ लोगों को बांटी दवाइयां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नक्सल प्रभावित कांकेर जिले के अति संवेदनशील गांवों में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए एसएसबी सेक्टर हेड क्वार्टर भिलाई 28 वीं बटालियन ने मिलकर हेल्थ कैंप लगाया। रमेश चंद्र फाउंडेशन दुर्ग और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की विमंस विंग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने विभिन्न गांव से पहुंचे मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाइयां दी। बता दें इस क्षेत्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहुत कमी है जिसके चलते एसएसबी लगातार यहां पर मेडिकल कैंप लगाता आ रहा है।

इसी कड़ी कड़ी में रविवार 26 फरवरी को अंतागढ़ के कूचे गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया ।सशस्त्र सीमा बल के क्षेत्रीय मुख्यालय भिलाई की ओर से हुए इस कैंप में दुर्ग भिलाई के कई डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। शिविर में कुल 114 मरीजों का इलाज किया गया । रमेश चंद्र फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ मानसी गुलाटी ने बताया कि इस शिविर में कई गंभीर मरीज भी सामने आए जिन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम में स्त्री रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ , सामान्य चिकित्सा, सामान्य सर्जरी और बाल रोग विशेषज्ञ शामिल थे। 28वीं वाहिनी के एसएसबी चिकित्सा कर्मियों ने भी शिविर में अपना योगदान दिया। इस मौके पर 28 वीं बटालियन के कमांडेंट अरविंद कुमार , द्वितीय कमान अधिकारी क्षेत्रीय मुख्यालय भिलाई बांके बिहारी, द्वितीय कमान अधिकारी हरे राम साव, डिप्टी कमांडेंट श्रीपति पांडे अमरनाथ गुप्ता सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

अधिवेशन में वोरा के नेतृत्व में डटी रही शहर कांग्रेस कमेटी

विधायक वोरा ने कहा पूरा देश है भूपेश बघेल के नेतृत्व क्षमता का कायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का 85वां राष्ट्रीय महाधिवेशन चाक चौबंद व्यवस्थापन के साथ शांतिपूर्ण ढंग से रायपुर में रविवार को समाप्त हुआ। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा के नेतृत्व में दुर्ग शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के सभी पदाधिकारी अपनी पूरी टीम के साथ राजधानी स्थित जोरा में कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे।

अधिवेशन के दौरान वोरा ने पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कोषाध्यक्ष पवन बंसल, कैसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला समेत शीर्ष पंक्ति के सभी नेताओं से आत्मीय मुलाकात की जहां सभी दिग्गज कांग्रेसियों से विधायक वोरा ने आत्मीय मुलाकात कर प्रदेश में उनका स्वागत किया।

सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी ने भी पारिवारिक संबंध का उल्लेख करते हुए वोरा परिवार का कुशलक्षेम पूछा। विधायक अरुण वोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है जबकि देश मे अघोषित आपातकाल के बीच कांग्रेस का महाधिवेशन रायपुर में आयोजित किया जा सका। इस आयोजन की सफलता के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व , कार्यशैली एवं कर्मठता के साथ ही कांग्रेसजनों के समर्पण की जितनी भी तारीफ की जाए कम है। भूपेश बघेल जी लगातार दो सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री की रेस में सफल हुए हैं उनके नेतृत्व क्षमता के लिए पूरा देश उनकी सराहना करता है। गांव गरीब किसान , मजदूर, महिला एवं युवाओं के लिए महात्मा गांधी की संकल्पना एवं राहुल गांधी जी के विजन के अनुसार राज्य सरकार काम कर रही है। आने वाला समय कांग्रेस का है देश की जनता झूठ ,जुमले एवं मित्रों वाली राजनीति को पहचान चुकी है।

मन की बात के 98 वें संस्करण को भाजपा नेताओं की उपस्थिति में सुना गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। माह के आखिरी रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को दुर्ग जिला भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में पाटन विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथों पर प्रवास करते हुए श्रवण किया गया। साथ ही प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश अनुसार तय बिंदुओं के आधार पर बूथ की बैठक लेते हुए बूथ समिति की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर पाटन विधानसभा के बूथ क्रमांक 86 खुडमुडी में बूथ कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के बीच मन की बात का श्रवण करने के पश्चात जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के हर संस्करण में कुछ नई चीजों की जानकारी प्राप्त होती है। अलग-अलग क्षेत्रों में निवासरत व्यक्तियों के जीवन जीने के तरीके और उनकी कला जो हमसे छुपी रहती है उससे भी हम अवगत होते हैं। मन की बात कार्यक्रम में बताई गई प्रेरक घटनाओं को अगर व्यक्ति जीवन में अपना ले तो स्वयं के साथ-साथ देश दुनिया और पर्यावरण को भी लाभ होगा।

इस अवसर पर अमलेश्वर में भाजपा जिला महामंत्री ललित चंद्राकर एवं ग्राम धौर में सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि मन की बात का कार्यक्रम में खेल, चिकित्सा, संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करके मौन साधना करने वालों को सामने लाकर आम लोगों को प्रेरित करने का कार्य प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है इससे संबंधित क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को प्रेरणा मिलती है।

निगम ने नियमितीकरण अधिनियम 2022 का लाभ उठाने भवन को नियमित कराने नागरिकों से की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ अनाधिकृत निर्माण का नियमितीकरण अधिनियम 2022 के परिपालन में अवैध निर्माण का नियमितीकरण हेतु नगर पालिक निगम दुर्ग के समस्त वार्डो में भवन नियमितीकरण के आवेदन प्राप्त शिविर प्रातः 10:00 बजे से अपरान्ह 3:00 बजे तक किये जायेंगे।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने इसके लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की डियूटी लगाई गई है।

निगम द्वारा आम नागरिकों से अपील है कि शिविर व डाटा सेंटर में पहुँचकर शीघ्र आवदेन जमा कर नियमितीकरण सुविधा का लाभ अवश्य उठाये।यदि भूमि उपयोग में परिवर्तन है तो भूमि के गाइडलाइन का 5त्न पेनाल्टी जमा कर वास्तविक निर्माण अनुसार नियमितीकरण कराया जा सकेगा। इसके लिए निकटतम पंजीकृत वास्तुविद से संपर्क कर आवेदन दुर्ग नगर निगम के भवन शाखा डाटा सेंटर या वार्ड आयोजित शिविरों में जमा किया जा सकेगा।

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण अधिनियम 2022 का लाभ उठाने भवन को नियमित कराने की अपील की है,अधिक जानकारी हेतु इनसे संपर्क नियमितीकरण की विस्तृत जानकारी के लिए पंजीकृत वास्तुविद के अलावा नगर निगम के सहायक भवन अधिकारी गिरीश दीवान 7746015450 भवन निरीक्षक विनोद मांझी 9589081099 तथा लिपिक पुरुषोत्तम साहू 9575747680 से संपर्क किया जा सकता है।दुर्ग में अवैध मकानों का हो रहा नियमितीकरण इन शर्तों को करना होगा पूरा - यदि आपका भवन 14 जुलाई 2022 के पूर्व बना है एवं यदि आपके द्वारा अनुमति नही ली गई है। यदि आपके द्वारा अनुमति के विपरीत निर्माण किया गयाहै।यदि आपके द्वारा आवासीय क्षेत्र में व्यवसायिक निर्माण किया गया है।ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण (संशोधन) अधिनियम 2022 का लाभ लेकर आपके भवन को नियमित करावें एवं भविष्य में होने वाली परेशानियों से निजात पावें छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण (संशोधन) अधिनियम 2022 की प्रमुख विशेषताएं इस नियम के तहत आवासीय भवनों में शास्ति भूखंड क्षेत्रफल-0 से 120 वर्गमीटर तक 0,120 से 240 वर्गमीटर तक 125 रुपये प्रतिमिटर,240 से 360 वर्गमीटर तक 2 सौ रुपये प्रतिमिटर,360 वर्गमीटर व अधिक 3 सौ रुपये।इसके अलावा इस नियम के तहत वाणिज्यिक भवनों में शास्ति-0 से 100 वर्ग मीटर तक -भवन अनुज्ञा शुल्क 16 गुना,100 से 200 वर्ग मीटर तक- भवन अनुज्ञा शुल्क 21 गुना,200 से 300 वर्ग मीटर तक-भवन अनुज्ञा शुल्क 26 गुना,300 से 400 वर्ग मीटर तक-अनुज्ञा शुल्क 31 गुना,400 से 500 वर्ग मीटर तक-अनुज्ञा शुल्क 36 गुना,500 से 600 वर्ग मीटर तक-अनुज्ञा शुल्क 41 गुना,600 से 700 वर्ग मीटर तक भवन अनुज्ञा शुल्क 46 गुना के अलावा 700 से अधिक वर्ग मीटर तक भवन अनुज्ञा का शुल्क 51 गुना।यदि भू-उपयोग में परिवर्तन है, तो आपकी भूमि के गाईडलाईन का 5त्न शास्ति जमा कर वास्तविक निर्माण अनुसार नियमितीकरण कराया जा सकेगा।नियमितीकरण हेतु आपके निकटतम पंजीकृत वास्तुविद से संपर्क कर आवेदन नगर निगम के भवन शाखा (डाटा सेंटर आपके वार्ड में आयोजित शिविर में जमा किया जा सकेगा।

तीन वार्ड के पार्षदों ने घेरा निगम

संतोषी पारा में निगम का मांगलिग भवन गरीबों को नहीं मिल रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई द्वारा वार्ड 33 संतोषी पारा में वैवाहिक व अन्य आयोजनों के लिए डॉ. भीमराव आम्बेडकर मांगलिक भवन का निर्माण किया गया। इस भवन का शुभारंभ होने के बाद वैवाहिक व अन्य समारोहों के लिए दिया जाने लगा है। अब इस भवन के मामले में क्षेत्र के तीन भाजपा पार्षदों ने सोमवार को निगम मुख्यालय का घेराव किया है।

वार्ड पार्षदों का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार व नगर निगम भिलाई द्वारा डॉ. भीमराव आम्बेडकर मांगलिक भवन गरीबी रेखा से नीचे वाले व गरीबों का प्राथमिकता के साथ आबंटन किए जाने के लिए बनाया गया लेकिन इसका लाभ इन्हें नहीं मिल रहा है। भिलाई निगम का घेराव करने वार्ड संतोषी पारा कैम्प-2 वार्ड क्रमांक-33 की पार्षद शैलजा राजू, वार्ड क्रमांक 31 की पार्षद प्रियंका साहू और वार्ड क्रमांक 32 की पार्षद के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं निगम दफ्तर पहुंची। पार्षदों का कहना है कि डॉ. भीमराव आम्बेडकर मांगलिक भवन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा गरीबी रेखा परिवार एवं सामान्य परिवार के लोगों को कम दर पर भवन मुहैया कराये जाने के लिए इसका उद्घाटन किया गया था।

पार्षदों ने बताया कि वर्तमान में उक्त भवन का लाभ न तो गरीबी रेखा वालों को मिल रहा है न ही समान्य परिवार को मिल रहा है। आसपास के वार्डो में निवासरत लोगो को भी इस भवन का लाभ नहीं मिल पा रहा है । पार्षदों ने आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर कहा कि संतोषी पारा सहित आसपास के वार्डों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार बहुतायात संख्या में है।

किन्तु किसी को भी इस भवन का लाभ प्राप्त नही हो रहा है। पार्षदों ने आयुक्त ने निवेदन किया है कि उक्त भवन को गरीब तबके, समान्य परिवार व वार्ड वासियों को कम दर पर उपलब्ध कराने आवश्यक कार्रवाई करें।

संयंत्र के कार्मिक एवं अंचल के प्रतिष्ठित कलाकार के के पाटिल के कृति का हुआ विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वर्तमान में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मार्स-2 में चार्जमेन के पद पर कार्यरत श्री कृष्ण कुमार पाटिल, प्रदेष के प्रतिष्ठित कलाकरों में शामिल हैं। हाल ही में अंचल के इस सुप्रसिद्ध कलाकार कृष्ण कुमार पाटिल ने छत्तीसगढ़ी साहित्य में अपनी नई पुस्तक जय छत्तीसगढ़ दाई के जरिये एक नया आयाम जोड़ा है।

विगत दिनों इस पुस्तक का विमोचन छत्तीसगढ़ शासन के राजभाषा विभाग के तत्वाधान में पंडित रविषंकर शुक्ल विष्वविद्यालय के नागार्जुन हाल में किया गया। इस पुस्तक का विमोचन राजभाषा विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों और मूर्धन्य साहित्यकारों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस पुस्तक की विषेषता है कि इसमें छत्तीसगढ़ी भाषा में छोटा ख्याल एवं ठुमरी रचनाएं प्रकाषित है जो कि छत्तीसगढ़ी साहित्य के लिए विषेष महत्व रखता है। के के पाटिल छत्तीसगढी भाषा में विगत 25 वर्षों से छोटा खयाल एवं ठुमरी का गायन एवं लेखन कर रहे हैं। श्री पाटिल गायन, वादन एवं लेखन तीनों विधा में अच्छी पकड़ रखते हैं। श्री पाटिल आकाषवाणी दूरदर्षन के नियमित गजल, भजन एवं लोकगीत के गायक हैं। वे देष - प्रदेष के साथ-साथ विदेष में भी गायन, वादन कर चुके हैं। गायन के साथ-साथ वे देष के प्रसिद्ध हारमोनियम वादक भी है। गजल, ठुमरी एवं हारमोनियम वादन में दिल्ली के पंडित अवधनारायण मलिक एवं नागपुर के पंडित प्रभाकर धाकड़े से उच्च षिक्षा प्राप्त कर चुके हैं।

के के पाटिल ने संयंत्र के कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन) श्री एम एम गद्रे को अपनी नई पुस्तक जय छत्तीसगढ़ दाई भेंट की। श्री गद्रे ने श्री पाटिल को बधाई देते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950